A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 1 जनवरी, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-122 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

नई सुबह : नई शुरुआत के नाम

फोटो- बंसीलाल परमार

सुप्रभात

गए साल की
ठिठकी ठिठकी ठिठुरन
नए साल के
नए सूर्य ने तोड़ी।

देश-काल पर,
धूप-चढ़ गई,
हवा गरम हो फैली,
पौरुष के पेड़ों के पत्ते
चेतन चमके।

दर्पण-देही
दसों दिशाएँ
रंग-रूप की
दुनिया बिम्बित करतीं,
मानव-मन में
ज्योति-तरंगे उठतीं।

- केदारनाथ अग्रवाल

आज से 'मंदिर'

धार्मिक और सनातन आस्था की भूमि भारत मंदिरों का भी देश है। समूचे भारत में करीब 7 लाख से अधिक मंदिर हैं, जो बीते दो हजार सालों से बनते आ रहे हैं। ये मंदिर केवल हमारी धार्मिक श्रद्धा का ही केन्द्र नहीं है बल्कि हिंदू संस्कृति और दर्शन का अनूठा उद्घोष, अद्भुत शिल्प और पुराख्या न भी हैं। हालांकि विदेशी आक्रांताओं ने हमारे कई मंदिर ध्वस्त कर दिए, बावजूद इसके अनेक मंदिर ऐसे हैं, जो आज भी गर्व के साथ खड़े हैं। नए साल में हम ऐसे ही बेमिसाल मंदिरों की जानकारी आप तक पहुंचाने वाली श्रृंखला 'मंदिर' शुरू कर रहे हैं। इसकी पहली कड़ी आज अंतिम पेज पर। - **सं.**

मुझे माफ करें, हमें गलतियों से सीखना होगा

मणिपुर हिंसा पर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

जातीय संघर्ष के 600 दिन में 200 से ज्यादा मौतें

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी है। बीरेन सिंह ने कहा कि पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। इसका मुझे बहुत दुख है। 3 मई 2023 से लेकर आज तक जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं। सीएम बीरेन सिंह ने सेक्रेटिएट में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा- कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे वास्तव में खेद है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। मणिपुर में 3 मई 2023 से कुकी-मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। मैतेई-कुकी समुदाय के बीच भड़की हिंसा को 600 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। बीरेन ने

बताया,मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, राज्य में पिछले महीने से शांति है। हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। छिटपुट प्रदर्शन के लिए भी लोग सड़कों पर नहीं उतरे। सरकारी दफ्तर रोजाना खुल रहे हैं और स्कूल में बच्चों की तादाद बढ़ रही है। बीरेन सिंह ने कहा, अब तक कुल मिलाकर लगभग 200 लोग मारे गए हैं और लगभग 12,247 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 625 आरोपियों गिरफ्तार हुए हैं। लगभग 5,600 हथियार और विस्फोटकों समेत लगभग 35,000 गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मुद्दों से निपटने में भी कामयाबी मिली है। केंद्र सरकार ने विस्थापित परिवारों की मदद के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी और धनराशि दी है। विस्थापितों के लिए नए घर बनाने के लिए भी पैसा दिया गया है। कश्मीर की तरह राज्य में चल रहे ऑपरेशन क्लीन का ही असर है कि पिछले एक महीने में न केवल हथियार-गोला बारूद की कोई बड़ी खेप जब्त हुई है, बल्कि उग्रवादी संगठनों के 20 से अधिक कैडरों को भी दबोचा गया है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमारा फोकस उग्रवाद वाले बफर इलाकों में सब कुछ न्यूट्रल करने पर है।

योग,तप,साधना और साहचर्य से जीना सिखाती है हमारी संस्कृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले-सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी पहचान है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत विभिन्न धर्मों, समाजों, भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। सब मिलकर यहां सद्भावपूर्वक रहते हैं। सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारी आस्था और जीवन मूल्य हमें विकास की ओर ले जाते हैं। योग, तप, साधना और साहचर्य से जीवन का समग्र विकास की शिक्षा सिर्फ भारतीय संस्कृति ही सिखाती है। समाज में जनजागृति लाने में महर्षियों की बड़ी अहम भूमिका रही है। महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा उन्हीं में से एक थे। वे परम संत थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो असंभव दिखता है, वो केवल सनातन धर्म में ही संभव है। महर्षि बालीनाथ जी ने समाज की कुरीतियों, रूढ़ियों और बुराइयों को खत्म किया और सबको सद्मार्ग की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने बालीनाथ जी की स्मृति में देश के दूरदराज से आए बैरवा समाजजन का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रदेश स्तरीय सामाजिक कार्यक्रम में आकर वे बेहद प्रसन्न है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अखिल जूनवाल द्वारा लिखित पुस्तक भीम वंदना का विमोचन भी किया। इसके बाद बैरवा समाज की बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, अखिल भारतीय बैरवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश जारवाल, श्री लालाराम बैरवा, श्री राधेश्याम बैरवा, श्री मुकेश टेटवाल, श्री सी.एल. बैरवा, श्री प्रभुराम सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

सरकार पूरे ब्याज सहित मिल मजदूरों को उनका हक दिलाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महर्षि बालीनाथ जी के बताए मार्ग से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार गरीबों के जीवन में उजाला लाने और उनके कष्टों का निवारण करने का प्रयास कर रही है। हमारी सरकार ने उज्जैन की विनोद मिल के मजदूरों का संकट खत्म किया, उन्हें उनके सभी हक दिलाए। इंदौर की हुकुमचंद मिल के मामले का भी समाधान किया। हम ग्वालियर की जेसी मिल्स के मजदूरों को भी उनका हक दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐसी सभी बंद मिलों, जिनके मजदूरों को उनका हक अब तक नहीं मिल पाया है, सरकार पूरे ब्याज सहित उन मिल मजदूरों को उनका वाजिब हक दिलाएगी।

पहाड़ों की बर्फीली हवा से कांप रहा है उत्तर भारत

● एमपी-यूपी और हरियाणा के 86 जिलों में शीतलहर ● जम्मू-कश्मीर में टेम्प्रेचर माइनस 10 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी जारी है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस 10 डिग्री तक पहुंच गया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई सड़कें बंद हैं। बर्फबारी देखने के लिए हिमाचल के शिमला में पिछले 2 दिनों में 24 हजार वाहनों में 80 हजार से ज्यादा टूरिस्ट न्यू ईयर का जश्न मनाने पहुंचे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को पहाड़ों की बर्फीली हवा से क्क बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में तापमान गिरेगा। उत्तर भारत में शीतलहर और घने कोहरे का अनुमान है। उत्तर प्रदेश के 52 जिलों में शीतलहर चल रही है। 60 जिलों में घना कोहरा है। मुरादाबाद और आजमगढ़ में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर 37 ट्रेनें 8 घंटे तक लेट आईं। हरियाणा के 14 शहरों में शीतलहर का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में भी तापमान लगातार गिर रहा है। नीमच में पारा 3.5 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, राजस्थान 3 दिन तक कोल्डवेव का अलर्ट है। हिल स्टेशन माउंट आबू में कल से 3 दिन के बीच पारा माइनस में जा सकता है। फिलहाल यहां तापमान 1 डिग्री है। हिमाचल के कल्पा में 14.9, कुफरी में 14.5, पूह में 12, मुरंग में 12, खदराला में 10, सांगला में 8.5, केलंग में 8, कुकमसेरी में 1.6 सेमी ताजा बर्फबारी हुई है। इससे न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रिकॉर्ड किया गया है। लद्दाख में 2023 में 5.25 लाख पर्यटक पहुंचे थे। 2024 में यह आंकड़ा घटकर 3.75 लाख रह गया। लद्दाख पर्यटन विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में 2023 में 2.10 करोड़ पर्यटक आए थे। 2024 में संख्या बढ़कर 2.11 करोड़ हो चुकी है। इस बार तेज सर्दी और कोहरे के बीच मध्यप्रदेश में न्यू ईयर का सेलीब्रेशन होगा। मंगलवार सुबह ग्वालियर-चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग के कई जिलों में कोहरे का असर रहा। उज्जैन-रतलाम में आज कोल्ड-डे का अलर्ट है। वहीं, शाजापुर, नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा में भी शीतलहर चलेगी। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा से राजस्थान में सर्दी तेज हो गई। राजस्थान में कोल्ड-वेव का असर 3 जनवरी तक रहेगा। 1 जनवरी से कोल्ड-वेव का प्रभाव और बढ़ने की भी आशंका जताई गई है। 30 दिसंबर को जयपुर, समेत कई जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। हरियाणा में नए साल का आगाज धुंध के साथ होने वाला है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 1 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

रंग-बिरंगी रोशनी के बीच जश्न में झूमे लोग

● दुनिया भर में नए साल का जश्न ,आतिशबाजी के साथ स्वागत ● सबसे पहले न्यूजीलैंड में हुई नए साल की शुरुआत,भारत में जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में नए साल की एंट्री हो गई है। दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड साल 2025 का जश्न शुरू हो गया है। दुनिया के सबसे पूर्वी हिस्से में स्थित होने के कारण, न्यूजीलैंड में सबसे पहले नए साल का जश्न मनाया जाता है। ऑकलैंड के चर्चित स्काई टावर पर नए साल पर जबरदस्त आतिशबाजी की गई।

न्यूजीलैंड में भारत से साढ़े 7 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में साढ़े 9 घंटे बाद नया साल आता है। इस तरह पूरी दुनिया में नया साल आने की जर्नी 19 घंटों तक जारी रहती है। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 41 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती, समोआ और टोंगा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान

इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल आदि देश हैं। दुनिया में नए साल 2025 का आगाज हो गया है। न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड के लोगों ने सबसे पहले नए साल का जश्न मनाना शुरू कर दिया।

वहीं भारत में 31 दिसंबर रात की 12 बजते ही लोगों ने सड़क के बाहर आकर नए साल का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की। प्रशांत महासागर के पास बसे कुछ सुदूर द्वीपों किरिबाती, टोंगा और समोआ के बाद नए साल 2025 का आजाग न्यूजीलैंड में हुआ है। यह देश नए साल के स्वागत करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में है। अन्य देशों की बात करें तो न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया, जापान, उत्तर और दक्षिण कोरिया में जश्न मनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

कन्याकुमारी में देश के पहले समुद्री ग्लास ब्रिज का उद्घाटन

विवेकानंद मेमोरियल से तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक 77 मीटर लंबा पुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का पहला समुद्री ग्लास ब्रिज तमिलनाडु के कन्याकुमारी के तट पर बनकर तैयार हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 77 मीटर लंबे और 10 मीटर चौड़े इस ब्रिज का उद्घाटन

सोमवार शाम को किया। ब्रिज के बनने से टूरिस्ट कन्याकुमारी के तट पर विवेकानंद रॉक मेमोरियल से सीधे 133 फीट ऊंची तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक पहुंच सकते हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार के 37 करोड़ रुपए खर्च हुए। कन्याकुमारी के टूरिज्म अधिकारी ने बताया कि ग्लास ब्रिज पर नीचे समुद्र है। ब्रिज पर चलने से ऐसा लगता है जैसे हम समुद्र पर चल रहे हों।

एम्स में 'गंभीर मरीजों' का अब अलग से होगा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बड़ा तोहफा देने का जा रहा है। अब गंभीर मरीजों को इलाज के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल में ऐसे मरीजों के

लिए अलग सेक्शन तैयार किया जा रहा है। ऐसे मरीजों के लिए जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के परिसर में एक नया 'क्रिटिकल केयर' सेक्शन बनाएगा। अभी तक गंभीर रूप से परेशान मरीजों को इलाज के लिए ओपीडी के चक्कर लगाने पड़ते थे।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी बीजेपी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी अपने शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास से लबरेज नज़र आ रही है। इस बात का अंदाज़ा सूत्रों के हवाले से सामने आ रही इस खबर से लगाया जा सकता है, कि बीजेपी आगामी निकाय चुनाव में अपने गठबंधन सहयोगियों से अलग होकर चुनावी मैदान में

दिखाई दे सकती है। बीजेपी को विधानसभा चुनाव में 133 सीटें मिली थीं। चुनाव के दौरान ऐसा माना गया कि संघ की रणनीति के रहते बीजेपी को यह सफलता मिली। अब निकाय चुनाव के लिए भी संघ ने बीजेपी के लिए माहौल बनाना तैयार कर दिया है। शुरुआती खबरें हैं कि बीजेपी को अपनी ताकत दिखाने के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग चुनाव लड़ने के लिए कहा जा रहा है।

किसान नेता डल्लेवाल बातचीत के लिए तैयार

● सुप्रीम कोर्ट से बोली पंजाब सरकार ,कोर्ट ने 2 जनवरी तक टाली सुनवाई
● सुप्रीम कोर्ट ने अस्पताल में भर्ती कराने के लिए तीन दिन का वक्त दिया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर 36 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पंजाब सरकार को 3 दिन की मोहलत मिल गई है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बैंच ने इसकी सुनवाई की। जिसमें पंजाब सरकार ने कहा कि कल पंजाब बंद था, जिस वजह से ट्रैफिक नहीं चला। इसके अलावा एक मध्यस्थ ने भी आवेदन दिया है जिसमें कहा गया है कि अगर यूनियन हस्तक्षेप करती है तो डल्लेवाल बातचीत के लिए तैयार हैं। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के समय मांगने के आवेदन को मंजूर कर लिया। इस अवमानना मामले की अगली सुनवाई अब 2 जनवरी को होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 28 दिसंबर की सुनवाई में पंजाब सरकार को 31 दिसंबर

तक का टाइम दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अलग-अलग मांगों को लेकर पिछले 36 दिनों से अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने संबंधी उसके आदेश पर पंजाब सरकार द्वारा अनुपालन करने के मामले में मंगलवार को सुनवाई दो जनवरी तक टाल दी। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने मामले में अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख तय की। इससे पहले पंजाब सरकार की ओर से महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने कहा कि अदालत के 20 दिसंबर के आदेश के अनुपालन के लिए तीन दिन का और समय मांगने के लिए एक आवेदन दायर किया गया है। सिंह ने कहा कि वार्ताकारों की एक टीम प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत कर रही है और डल्लेवाल को खनौरी बॉर्डर के पंजाब की तरफ स्थित निकटवर्ती अस्थायी अस्पताल में स्थानांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पीठ ने कहा कि वह प्रदर्शनकारी किसानों के साथ हुई चर्चा पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती।

इस बार के महाकुंभ में पहली बार होगा ड्रोन शो

● दिखाई जाएंगी पवित्र कहानियां,पौराणिक कथाओं के होंगे दर्शन

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक महाकुंभ मेला लगने जा रहा है। जो दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। बता दें, ये मेला 12 साल में एक बार लगता है। इस बार महाकुंभ में आने वाले टूरिस्ट्स के लिए ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा, जिसका नजारा मंत्रमुग्ध करने वाला होगा। ड्रोन शो के दौरान आसमान में एक नहीं आपको कई रंगों से रोशन होगा। अगर आप भी महाकुंभ में ड्रोन शो एंजॉय करना चाहते हैं, तो

पहले शो से जुड़ी डिटेल्स जान लीजिए। उसी हिसाब से आप महाकुंभ में आने की प्लानिंग कर सकते हैं। यह पहली बार होगा कि उत्तर प्रदेश टूरिज्म डिपार्टमेंट ड्रोन लाइट शो की मेजबानी करेगा। महाकुंभ मेले में इस बार हर कोई इसे देखने के लिए बेताब है। बता दें, 12 साल में एक बार लगने वाले महाकुंभ मेले में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स आ रहे हैं।

यमन में भारतीय नर्स की फांसी को राष्ट्रपति की मंजूरी

● निमिषा पर सहयोगी की हत्या का आरोप,भारत बोला-मदद मुहैया करा रहे

सना (एजेंसी)। यमन में कैद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा को वहां के राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सरकार इस मामले में हर संभव मदद मुहैया करा रही है। केरल की रहने वाली निमिषा पर यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा ने 2017 में महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर मार दिया था। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को एक महीने के अंदर सजा

दी जाएगी। निमिषा ने 2008 में नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद केरल में ही जॉब करना शुरू की थी। 2011 में उन्होंने केरल की टॉमी थॉमस से शादी की थी। इसके बाद दोनों 2012 में यमन चले गए थे।

भाजपा ने केजरीवाल को भूल-भुलैया फिल्म का छोटा पंडित बताया

कहा-वे चुनावी हिंदू, केजरीवाल बोले-क्या मुझे गाली देने से देश का भला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को राजधानी में पुजारी-ग्रंथी योजना लॉन्च की। केजरीवाल ने कश्मीरी गेट के मरघट वाले बाबा के मंदिर में पत्नी के साथ दर्शन किए और वहां के पुजारी का पहला रजिस्ट्रेशन कराया। योजना के तहत पुजारियों-ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए सैलरी देने का

वादा किया गया है। भाजपा ने एक्स पर एक पोस्टर जारी किया, जिसमें अरविंद केजरीवाल को भूल-भुलैया फिल्म के छोटा पंडित (राजपाल यादव) के किरदार में दिखाया। भाजपा ने उन्हें चुनावी हिंदू बताया है। भाजपा ने लिखा- जो 10 साल से इमामों को सैलरी बांटता रहा। जो खुद और उनकी नानी प्रभु श्रीराम का मंदिर बनने से खुश नहीं थे।

बिहार सरकार ने बीपीएससी परीक्षा विवाद से झाड़ा पल्ला

नीतिश से मिले सम्राट चौधरी, बोले-आयोग को फ्री हैंड, वो निर्णय ले

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को पूरी तरह रद्द करके दोबारा सबकी परीक्षा लेने की मांग को लेकर चल रहे छात्र-छात्राओं के आंदोलन से नीतिश कुमार की सरकार ने एक तरह से पल्ला झाड़ लिया है। दिल्ली से सोमवार की शाम पटना लौटे मुख्यमंत्री नीतिश कुमार से भाजपा नेता और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार की सुबह मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद मीडिया के सामने आए सम्राट चौधरी ने कहा कि आयोग एक ऑटोनॉमस बॉडी है और छात्रों के संबंध में कोई भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बीपीएससी को फ्री हैंड दिया हुआ है। सम्राट चौधरी ने बीपीएससी आंदोलन को लेकर

मीडिया के सवाल के जवाब में कहा-बीपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है। वो स्वतंत्र है। पूरी तरह सरकार उनको फ्री हैंड दिए हुए है। वो निर्णय ले। छात्रों के हित, छात्रों के संबंध में कोई भी निर्णय लेने के लिए वो स्वतंत्र है। दूसरी सरकारें ही (आयोग को) चलाती थी। हमारा (सरकार में) ऑटोनोमस बॉडी है। वो तय करेगा कि वहां छात्रों का हित क्या है। गर्दनीबाग में लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी कैंडिडेट्स ने रविवार को गांधी मैदान में जमा होने के बाद सीएम हाउस मार्च किया था जिस दौरान पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास पानी की बौछार कर दी।

सवा करोड़ बीमा के लिए रची अपनी मौत की साजिश

श्मशान से शव निकालकर कार की सीट पर रख जलाया, कॉल डिटेल से पर्दाफाश

बनासकांठा (एजेंसी)। गुजरात के बनासकांठा जिले में धनपुरा के पास 5 दिन पहले मिली जली कार की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। जांच में पता चला कि 1.26 करोड़ रुपए की बीमा राशि पाने के लिए गांव के ही एक व्यक्ति ने अपनी मौत का षड़यंत्र रचा था। आरोपी ने श्मशान से शव निकालकर उसे कार के साथ ही जला दिया था। इतना ही नहीं, 1.26 करोड़ रुपए का बीमा पास कराकर फरार भी हो गया। बनासकांठा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 27 दिसंबर को धनपुरा गांव के लोगों ने पुलिस को जली कार मिलने की सूचना दी थी। ड्राइविंग सीट पर एक जला शव भी मिला। जांच में पता चला कि कार ढेलाणा गांव में रहने वाले दलपतसिंह परमार की है। पुलिस को जांच के दौरान कई सवालों के जवाब नहीं मिले। जैसे अचानक कार कैसे जली, जबकि घटना स्थल पर हादसे के कोई कोई निशान नहीं थे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने दलपत के मोबाइल की जांच की तो पता चला कि उसने हादसे के कुछ देर पहले ही महेश नरसंग ठाकोर नाम के शख्स से बात की थी।

यूपी पुलिस की साख पर सवाल उठा रहे फर्जी केस!

कोर्ट में भी करा चुके हैं सरकार की किरकरी,लग सकती है रोक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पुलिस पर कई बार सवाल उठते रहे हैं। आजम खान की भैंस खोजने की घटना से लेकर ठांय-ठांय एनकाउंटर

तक को लेकर यूपी पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, अब फर्जी केस के मामलों ने यूपी पुलिस की साख पर सवाल खड़ा कर दिया है। ताजा मामला फर्रुखाबाद का है। अगस्त में बाइक मैकेनिक को गलत तरीके से जेल भेजने के मामले में पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। इसके साथ ही फर्जी केस का मुद्दा जोर पकड़ने लगा है। इस मामले में एडीजी कानपुर जोन के आदेश पर मोहम्मदाबाद थाने के तत्कालीन प्रभारी मनोज भाटी, दरोगा महेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल अंशुमन, राजपाल और यशवीर सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया है। कौशांबी के सर्राफा व्यवसायी से लूटकांड के आरोपी विजय कुमार सोनी के एनकाउंटर मामले में भी पुलिस बुरी तरह फंसी। कोर्ट ने एसटीएफ प्रभारी, थाना प्रभारी चरवा समेत 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। विजय की मां अंजू देवी की ओर से प्रयागराज के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 10 सितंबर 2023 को चरवा थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी सिद्धार्थ सिंह दो गाड़ियों में पुलिस टीम के साथ घर आए थे। उनके बेटे को घर से उठा ले जाया गया। अंजू देवी ने आरोप लगाया कि लूट में फर्जी बरामदगी दिखाकर 12 सितंबर को विजय के कंधे में गोली मार दी गई।

सीएम आतिशी, संजय सिंह के खिलाफ करूंगा मानहानि का केस

आम आदमी पार्टी के आरोपों से आहत हुए कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही राजनीतिक दल एक दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित ने सीएम आतिशी और आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। संदीप दीक्षित कांग्रेस की तरफ से नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। संदीप दीक्षित ने कहा कि 5-6 दिन पहले दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं बीजेपी से बहुत बड़ी रकम ले रहा हूं...पिछले 10-12

सालों से वे कांग्रेस, मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास पिछले 10-12 सालों से एएपी से पूछने के लिए कई सवाल हैं...वे (अरविंद केजरीवाल) शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ 360 पन्नों के सबूत लेकर घूमते थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा ने मुझे बताया कि सीएम बनने के बाद बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल अरविंद केजरीवाल से मिला था और सबूत मांगा मांगा था।

एमपी के कई जिलों में घना कोहरा विजिबिलिटी 20 मीटर पहुंची

तेज ठंड के बीच न्यू ईयर सेलीब्रेशन, उज्जैन-रतलाम में कोल्ड डे, सर्द हवा चलेगी

भोपाल। इस बार तेज सर्दी और कोहरे के बीच मध्यप्रदेश में न्यू ईयर का सेलिब्रेशन होगा। मंगलवार सुबह ग्वालियर-चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग के कई जिलों में कोहरे का असर रहा। विजिबिलिटी 20 मीटर ही रह गई। उज्जैन-रतलाम में आज कोल्ड-डे का अलर्ट है। वहीं, शाजापुर, नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा में भी शीतलहर चलेगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी से दो दिन तक पूरे प्रदेश में बारिश और बादल वाला मौसम रहा। कई जिलों में तो ओले भी गिरे। यह दौर जैसे ही थमा, ठंड का असर बढ़ गया। इससे दिन और रात के तापमान में खासी गिरावट दर्ज हुई है। कई शहर में तो दिन-रात का टेम्प्रेचर बराबर ही रहा। मौसम विभाग के अनुसार, साल 2024 की आखिरी रात प्रदेश में ठंड का असर बना रहेगा। मालवा यानी, उज्जैन संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। जहां कोल्ड डे और शीतलहर की स्थिति रहेगी। भोपाल, इंदौर-जबलपुर में भी सर्दी का असर रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर और कोल्ड डे का असर रह सकता है। शुरुआती दो दिन ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिलेगा। इसके बाद पूरे प्रदेश में असर बढ़ जाएगा। एमपी में बारिश का दौर थमने के बाद कोहरे का असर बढ़ा है। मंगलवार सुबह प्रदेश के कई शहरों में कोहरा रहा। ग्वालियर और शाजापुर में विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक रही। यानी, आधा किमी के बाद कुछ दिखाई नहीं दिया। भोपाल, दमोह, जबलपुर, सागर, राजगढ़ में 500 से एक हजार मीटर विजिबिलिटी दर्ज की गई। बाकी शहरों में 1 से 2 किमी तक दृश्यता रही। इधर, रात में सर्दी का असर भी बढ़ा है। भोपाल में पारा 9.6 डिग्री पर आ गया। जबलपुर में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 14.3 डिग्री, ग्वालियर में 11.4 डिग्री और उज्जैन में 13 डिग्री रहा। रात में राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 5.6 डिग्री दर्ज किया गया। मंडला में 6.7 डिग्री, टीकमगढ़ में 8.2 डिग्री, पचमढ़ी में 8.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 8.8 डिग्री, नौगांव में 9 डिग्री, रायसेन में 9.1 डिग्री, गुना में 9.3 डिग्री, उमरिया में 9.6 डिग्री, मलाजखंड में 9.7 डिग्री दर्ज किया गया। इस बार दिसंबर महीने में ही ठंड रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। स्थिति यह रही कि पूरे प्रदेश में जनवरी से भी ठंडा दिसंबर रहा। भोपाल समेत कई शहरों में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 9 दिन से शीतलहर चली। भोपाल में दिसंबर की सर्दी ने 58 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई, जबकि भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए हीटर लगाए गए हैं। भगवान को भी ठंड से बचाने के लिए जतन किए जा रहे हैं। बता दें कि नवंबर में भी सर्दी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। भोपाल में 36 साल का रिकॉर्ड टूटा। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी पारा सामान्य से 7 डिग्री तक नीचे रहा। अब दिसंबर में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

मनोज श्रीवास्तव बने नए राज्य निर्वाचन आयुक्त

सीएम सचिवालय में सबसे पावरफुल अफसर रहे, बीपी सिंह का कार्यकाल पूरा

भोपाल। रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव मध्यप्रदेश मध्यप्रदेश के नए राज्य निर्वाचन आयुक्त बन गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार शाम को आदेश जारी कर दिया है। इससे पहले आयोग के आयुक्त रहे बसंत प्रताप सिंह का 6 माह का अतिरिक्त कार्यकाल 31 दिसंबर पूरा हुआ है। इसके चलते राज्य शासन ने आज ही राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर

मनोज श्रीवास्तव बसंत प्रताप सिंह

नई नियुक्ति के आदेश जारी किए। श्रीवास्तव के पहले इस पद पर पूर्व मुख्य सचिव वीरा राणा और रिटायर्ड एसीएस मलय श्रीवास्तव की भी दावेदारी थी। इसके पहले 30 सितम्बर को पूर्व मुख्य सचिव वीरा राणा के रिटायरमेंट के दिन उन्हें नया राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाए जाने के आदेश जारी होने वाले थे। राज्य निर्वाचन आयोग में इसकी तैयारी भी कर ली गई थी और बीपी सिंह ने स्टाफ को हाई-टी देकर खुद को कार्यमुक्त भी बता दिया था। हालांकि अनुराग जैन को मुख्य सचिव बनाने का आदेश जारी होने के बाद समीकरण बदल गए। इसके बाद वीरा राणा को राज्य निर्वाचन आयुक्त बनने का फैसला टल गया। इससे पहले राज्य निर्वाचन आयुक्त रहे बीपी सिंह का कार्यकाल 30 जून 2024 को खत्म हो गया था। तब सरकार ने किसी नए आयुक्त को नियुक्ति नहीं देते हुए बीपी सिंह को ही पद पर बने रहने के आदेश जारी किए थे। इसमें कहा गया था कि राज्य निर्वाचन आयुक्त कार्यकाल पूरा होने के बाद 6 माह तक पद पर बने रह सकते हैं।

नए साल पर पीतांबरा पीठ पर उमड़ेगी भक्तों की भीड़

साल के आखिरी दिन 30 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, ट्रैफिक के लिए प्लान तैयार

भोपाल। दतिया के श्री पीतांबरा पीठ पर साल के आखिरी दिन मंगलवार को करीब 30 हजार श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। बुधवार को नए साल के मौके पर भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। अधिकांश लोग नए साल की शुरुआत देव स्थानों पर दर्शन के साथ करते हैं। भीड़ की संभावना को देखते हुए पीठ पर पुलिस अतिरिक्त बल तैनात करेगी। दूसरी ओर यातायात विभाग ने भी बाहर से आने वाले

श्रद्धालुओं के वाहन पार्किंग के लिए जगह तय कर दी है। एएसपी सुनील शिवहरे ने बताया कि नए साल पर श्रद्धालुओं की आने वाली भीड़ को देखते हुए पीठ परिसर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। ट्रैफिक प्रभारी नईम खान ने बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल में रहे इसलिए उन्होंने भी प्लान तैयार कर लिया है। पीठ की ओर सिविल लाइन क्षेत्र से पुरानी कलेक्ट्रेट से, राजघाट तिराहे से, उनाव रोड से, बमबम महादेव से, शहर की ओर से और राजगढ़ चौराहे से चार पहियों का प्रवेश बंद रहेगा। इन क्षेत्रों में चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था भी की गई है। सिविल लाइन क्षेत्र में पुलिस लाइन ग्राउंड पर, राजघाट कॉलोनी में केंद्रीय विद्यालय, बमबम महादेव क्षेत्र में कृषि मंडी में वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

इंदौर में बना ग्रीन कॉरीडोर, नम आंखों से हुई विदाई

ब्रेन डेड मरीज के अंगों ने 8 लोगों को दी नई जिंदगी

भोपाल। एमपी के इंदौर में सोमवार को 60वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। मनोरमागंज निवासी 68 वर्षीय सुरेंद्र पोरवाल के ब्रेन डेड होने के बाद उनके दोनों हाथ, दोनों किडनी, लिवर, दोनों आंखें और त्वचा दान की गई। इस अंगदान से 8 लोगों को जीवनदान मिला। इंदौर के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जब दोनों हाथ दान किए गए। डॉक्टरों की टीम ने शाम 6.25 बजे तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए। 12 मिनट में एयरपोर्ट तक अंग पहुंचाकर चार्टर्ड प्लेन से सुरेंद्र पोरवाल के दोनों हाथ और लिवर मुंबई भेजे गए। उनके हाथ ग्लोबल हॉस्पिटल, मुंबई में 26 वर्षीय युवक को ट्रांसप्लांट किए जाएंगे, जबकि लिवर जूपिटर हॉस्पिटल, मुंबई में 67 वर्षीय मरीज को लगाया जाएगा। इंदौर में उनकी किडनियां दो महिलाओं को ट्रांसप्लांट की गईं। एक किडनी 54 वर्षीय महिला को चोइथराम हॉस्पिटल में और दूसरी 57 वर्षीय महिला को अपोलो हॉस्पिटल में दी गई। उनकी आंखें एमके इंटरनेशनल आई बैंक और त्वचा चोइथराम स्किन बैंक को सौंपी गई हैं। पेट संबंधी बीमारी के कारण सुरेंद्र पोरवाल कुछ दिन पहले शैल्बी हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। सर्जरी के बाद वे कोमा में चले गए। रविवार को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। उनके परिवार ने खुद अंगदान की इच्छा जताई। मुस्कान ग्रुप और मेडिकल टीम ने इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई। लंग्स ट्रांसप्लांट की योजना भी थी, जिसे दिल्ली और अहमदाबाद के मरीजों के लिए भेजने की तैयारी थी। हालांकि, तकनीकी समस्याओं और स्वास्थ्य कारणों से यह संभव नहीं हो सका। परिवार ने कहा कि पिछले साल उनके रिश्तेदार के अंगदान से प्रेरणा मिली थी। उन्होंने कहा कि अगर हमारे अंगदान से किसी की जिंदगी बच सकती है, तो इससे बड़ी सेवा कुछ नहीं।

देवास में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़, हिंदू संगठनों में आक्रोश

सांसद सोलंकी ने पुलिस को दिए कार्रवाई के निर्देश, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। देवास के विकास नगर चौराहा स्थित धार्मिक स्थल पर सोमवार रात को एक व्यक्ति ने शराब के नशे में तोड़फोड़ कर दी, जिसमें माता की प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस में मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। क्षेत्रीय पार्षद अजय तोमर ने बताया- यह काफी वर्षों पुराना मंदिर है। यहां पर सामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की है, हमारी मांग है कि 24 घंटे में आरोपी को पकड़ा जाए। नहीं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। देवास-शाजापुर सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि मुझे सूचना प्राप्त हुई थी विकास नगर क्षेत्र में जो कालिका माता का मंदिर था। उसे किसी असामाजिक तत्व ने तोड़ दिया है। सूचना पर तुरंत यहां पर आया, मैंने मंदिर के दर्शन किए। मैंने पाया कि वास्तव में जिस स्वरुप में मंदिर था, उस स्वरुप में वह नहीं है। पुलिस यहां पर मौजूद थी। उन्हें हिदायत दी है कि जल्द से जल्द यह पता करें कि किस विधर्मी ने मंदिर को नुकसान पहुंचाया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से भी चर्चा करूंगा और जो भी संबंधित व्यक्ति होगा। इससे हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ऐसा सभी को आश्वासन देता हूं। औद्योगिक थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर राधेश्याम रंगवाल (45) निवासी बीरा खेड़ी को पकड़ा गया है। इस व्यक्ति ने शराब के नशे में मंदिर में तोड़फोड़ की थी। आरोपी आदतन आरोपी है उसके खिलाफ पहले 6 अपराध दर्ज है।

सेवानिवृत्त 38 रेल कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल। अपनी रेल सेवा से निवृत्त हुए 38 रेल कर्मियों को आज मण्डल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का वितरण एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, रेलवे पेंशन पोर्टल (आई-पास) के माध्यम से भुगतान आदेश प्रपत्र, मानार्थ पास, पहचान पत्र तथा उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड प्रदान किए गए। सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक, रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, तथा कार्मिक और लेखा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। भोपाल मंडल अपने कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा और समर्पण का सम्मान करता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

वलसाड़–प्रयागराज कुम्भ मेला एक तरफा विशेष ट्रेन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक तरफ़ा विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 09009 वलसाड-प्रयागराज कुम्भ मेला एक तरफ़ा विशेष ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 09009 वलसाड-प्रयागराज विशेष ट्रेन दिनांक 01 जनवरी 2025 को वलसाड स्टेशन से सुबह 08.40 बजे प्रस्थान कर, इटारसी स्टेशन में रात्रि 22.55 बजे और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन प्रातः 10.25 बजे प्रयागराज स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी नवसारी, भेस्तान, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, खंडवा, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना एवं मानिकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में 16 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी सहित कुल 22 डिब्बे होंगे।

लाड़ली बहनों को कम से कम ढाई हजार दिए जाएं

कांग्रेस बोली-एक साल में 3 हजार नहीं दे पाई सरकार

भोपाल। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले शुरू की गई लाड़ली बहना योजना में महिलाओं को 3 हजार रुपए प्रतिमाह देने के वादे पर कांग्रेस लगातार हमला कर रही है। अब कांग्रेस ने मप्र सरकार से मांग की है कि नए साल 2025 में ढाई हजार रुपए देना चाहिए। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा- जब 2023 में विधानसभा के चुनाव हो रहे थे तो चुनाव के पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ये घोषणा की थी कि 3 हजार रुपए प्रतिमाह महिलाओं के खातों में डाले जाएंगे। सरकार को एक साल पूरा हो गया लेकिन, महिलाओं को मिलने वाले 3 हजार का अता-पता नहीं हैं। ये एक तरह की ठगी है। पीसी शर्मा ने कहा- नया साल 2025 कल से शुरू हो रहा है महिलाओं को मुख्यमंत्री जी 3 हजार रुपए देना शुरू करें। और अगर नहीं दे पा रहे तो साल 2025 शुरू हो रहा है तो कम से कम

2500 रुपए ही दे दें। ये लगेगा कि चुनाव के समय आपने जो वादे किए थे उसमें आपने 2025 में कुछ तो आपने किया। पीसी शर्मा ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के मामले पर कहा- सौरभ शर्मा के केस में करोड़ों रुपए की बात सामने आ रही है। इनका कहीं न कहीं ये पैसा जाता होगा। इनको अपॉइंट करने वाली अथॉरिटी कौन है। ईडी अगर खुद को निष्पक्ष बताना चाहती है तो ये मौका है। जो सौरभ शर्मा के पीछे मंत्री या ऊपर के लोग हैं इनको पकड़ें, और इनके घरों पर छापे मारें। सौरभ शर्मा से पूछें कि बाकी पैसा कहां जा रहा था। उसकी हत्या भी हो सकती है। इसलिए उनको सिक्योरिटी देना चाहिए। ईडी को इस मामले की तह तक जाना चाहिए। इसमें बड़े-बड़े बब्बर शेर, टाइगर वो सब हैं इसमें। तभी ईडी की निष्पक्षता मानी जाएगी। आपने दिल्ली, झारखंड में मुख्यमंत्रियों को पकड़ा, इसलिए यहां भी मौका है ये सब करने का, ईडी को अपनी निष्पक्षता साबित करने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा।

एमपी में अभियोजन स्वीकृति के लिए नए निर्देश जारी

लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, पुलिस की जांच के साथ नहीं होगी कर्मचारियों के अभ्यावेदन पर सुनवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में कर्मचारी-अधिकारी के खिलाफ चल रही लोकायुक्त, EOW, पुलिस की जांच के दौरान उनके अभ्यावेदन पर समानांतर जांच या सुनवाई नहीं हो सकेगी। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने विभागीय जांच और अभियोजन से संबंधित मामलों को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा है कि अभ्यावेदन पर सुनवाई सिर्फ तभी हो सकेगी जब शिकायत निजी तौर पर हुई हो। निर्देश में कहा है कि अभियोजन स्वीकृति के मामले में सक्षम अधिकारी अभियोजन स्वीकृति का स्पष्ट उल्लेख नस्ती में करेंगे। यह भी बताया जाएगा कि संबंधित के बयान, जब्ती मेमो, सभी दस्तावेजों का अध्ययन कर लिया है, और प्रकरण प्रथम दृष्टया अभियोजन योग्य होने से इसे मंजूरी दी गई है। दरअसल, शासन के संज्ञान में आया है कि अभियोजन स्वीकृति के जारी

आदेशों में तकनीकी और लिपिकीय गलतियां होती है। इस कारण अभियोजन स्वीकृति आदेश में जांच एजेंसियां संशोधन कराती है। जिससे केस कोर्ट में पेश करने में अनावश्यक विलम्ब होता है। अब खास ध्यान रखना होगा कि अफसर के हस्ताक्षर, सील और हर स्थान पर अपराध क्रमांक और धारा का जिक्र हो। कभी-कभी रिश्वत की राशि, रिश्वत लेने की तारीख, प्रार्थी का नाम नहीं लिखा होता है, इसे भी अधिकारी ध्यान में रखेंगे। अभियोजन स्वीकृति आदेश के रूप में होनी चाहिए। करप्शन और अन्य मामलों में कोर्ट में पेश किए जाने वाले चालान को लेकर 23 दिसंबर को जारी निर्देशों में कहा है कि इसके पहले जारी इससे संबंधित सभी निर्देश निरस्त किए जा रहे हैं। नए निर्देशों के अनुसार जांच एजेंसी के अभियोजन स्वीकृति के प्रकरण या आवेदन रिकॉर्ड समेत नियुक्ति करने वाले अधिकारी को भेजा जाएगा। नियुक्ति करने वाले अधिकारी प्रकरण के परीक्षण के दौरान अगर यह पाते हैं कि केस मंजूरी के लायक है तो केस की डायरी मिलने के बाद 45 दिन के भीतर अभियोजन की स्वीकृति जारी कर उसे जांच एजेंसी को भेजेंगे। अगर किसी निजी व्यक्ति या संस्था की शिकायत पर अभियोजन की स्थिति बनती है तो संबंधित कर्मचारी को सुने जाने का मौका दिया जाना जरूरी होगा। उसकी बात सुने बगैर अभियोजन स्वीकृति नहीं दी जा सकेगी। ऐसे मामले में तीन माह के भीतर निराकरण करना होगा। निजी शिकायत के मामले में यदि नियुक्ति कर्ता अधिकारी प्रकरण को अभियोजन स्वीकृति के लिए उचित नहीं पाता है तो वह अभियोजन स्वीकृति को नकार सकता है। इस तरह के मामले में विधि विभाग से सलाह जरूरी नहीं होगी।

संपादकीय

स्वागतम् 2025

वर्ष 2025 के आगमन के साथ 21वीं सदी की पहली चौथाई का यह समापन वर्ष भी है। या यूं कहें कि यह सदी अब जवान हो गई है। बीते 24 सालों में पूरी दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे। प्रौद्योगिकी की मनुष्य की जिंदगी में भीतर तक नए सिरे से घुसपैठ देखी। घटती सामाजिकता से बढ़ता आत्मकेंद्रित अकेलापन देखा। समाज और मनुष्य के मानस को बदलता देखा। कोविड महामारी के रूप में वैश्विक विभीषिका देखी। धार्मिक, वैचारिक कट्टरताओं में नया उफान देखा। अगर हम सौ साल पीछे जाएं तो 20वीं सदी की पहली चौथाई ने दुनिया का पहला विश्वयुद्ध भोगा था। युद्ध इसके पहले भी होते रहे थे, लेकिन उनमे इतने ज्यादा देशों और महाद्वीपों की हिस्सेदारी नहीं होती थी। एक महायुद्ध ने दूसरे महायुद्ध का बीजारोपण किया। दूसरी तरफ साम्राज्यवाद और राजशाही का धीरे-धीरे कुछ देशों तक सिमटना देखा था। लगता था मानों दुनिया एक नई और मानवीय गरिमा से युक्त दुनिया की तरफ बढ़ रही है। नए राजनीतिक विचार और अर्थ तंत्र ने नई उम्मीदें जगाईं। विश्व में महिलाओं का सम्मान बढ़ा। मनुष्य द्वारा मनुष्य को गुलाम बनाने की प्रवृत्ति का अंत है। यह सुखद भ्रम बना कि दुनिया एक शोषण मुक्त विश्व में बदल रही है। मनुष्य चांद पर जा पहुंचा तो परमाणु बम ने पहली बार समूची मानवता को खत्म करने का भय से परिचित कराया। कच्चा तेल विश्व में एक बहुत बड़े ऊर्जा स्रोत के रूप में उभरा और जल्द ही एक बड़े आर्थिक और राजनीतिक हथियार में तब्दील हो गया। बीसवीं सदी की तुलना में 21वीं सदी ज्यादा बड़ी चुनौतियों से जूझ रही है। इनमें से कुछ तो मानव निर्मित हैं। सोशल मीडिया नामक निरंकुश दैत्य ने समूचे मानव अस्तित्व को अपने घेरे में ले लिया है। यह लोगों को, दुनिया को जितना जोड़ रहा है, उससे कई गुना ज्यादा तोड़ रहा है। यह सिलसिला कहां जाकर समाप्त होगा, कोई नहीं कह सकता। मनुष्य के संकीर्ण सोच और निहित स्वार्थों से उपजी हैं। धार्मिक कट्टरता एक ऐसे नासूर में बदल चुकी है, जिसने भू राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक शिकंजे का नया रूप धर लिया है। भौगोलिक विस्तारवाद और तानाशाही अब नए सिरे से सिर उठा रही है। इससे कई देशों के वजूद पर संकट मंडराने लगा है। बीती दो सदी में दुनिया को नियंत्रित करने वाली वैश्विक ताकतों को फोकस भी शिफ्ट हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रूप में मनुष्य ने स्वयं ही अपने हाथ काटने का इंतजाम कर लिया है। इसका असर इस सदी में कब दिखेगा, यह अभी कहना मुश्किल है, लेकिन गंभीर वैज्ञानिक इस खतरे को अभी से महसूस कर चेतावनी दे रहे हैं। खतरे, विवाद, विसंगतियां तथा तनाव और भी हैं। हर सदी में रहते आए हैं। बावजूद इसके हर नया साल कुछ उम्मीदें भी लेकर आता है। उसका स्वागत भी यही सोच कर किया जाता है कि मनुष्य का विवेक ही उसका सच्चा सारथी और मार्गदर्शक है। वही गलतियों को थामेगा और वही मनुष्य को सही दिशा में संचालित करेगा। अच्छी बात यह है कि पूरी दुनिया अब बहुध्रुवीय बनती जा रही है। वो सभ्यताएं और संस्कृतियां जिन्हें कभी पिछड़ा और अज्ञानी बताकर खारिज करने की कोशिश की जाती रही है, वह अब ज्यादा ताकत के साथ उभर कर आ रही हैं। बीसवीं सदी में हम चांद तक पहुंचे थे। अब सूरज के करीब और मंगल की धरती पर कदम रख रहे हैं। होमो सेपियन समाज अब दूसरे ग्रहों पर मनुष्य के रहने लायक वातावरण को खोजने में लगा है। हम एक नई सुबह की आस लगाए हुए हैं। जो हम नहीं पा सके, वो हमारी भावी नस्लें हासिल कर सकेंगी। यही आशावाद नए साल की नई कोंपल है। इसीलिए वर्ष 2025 का स्वागत है।

नजरिया

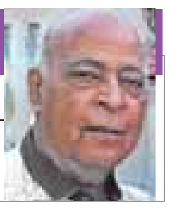

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र पत्रकार हैं।

बांग्लादेश व पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों के मायने

कहते हैं 'डूबने को बचाने कोई तिनका आएगा, जो खुद डूबना चाहे उस तिनके को कौन बचाएगा।' कुछ ऐसे ही हालात आजकल बांग्लादेश के हो गए हैं। साल 1971 में जब बांग्लादेश डूब रहा था तो भारत ने अपना पैसे, हथियार और सैनिक सभी दांव पर लगाकर उसकी रक्षा की और आजादी दिलाई। तब बांग्लादेश डूब रहा था और भारत ने उसे बचा लिया। पर आज बांग्लादेश डूबना चाहता है, तो भला उसे कौन बचा सकता है। अगस्त में जबसे शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ और भारत विरोधी ताकतों ने कब्जा जमाया है, तबसे बांग्लादेश के दुर्दिन शुरू हो गए हैं। दुनियाभर के एक्सपर्ट यही कहते हैं कि भारत अगर चाह ले तो बांग्लादेश बिना किसी हथियार के ही बर्बाद हो जाएगा, लेकिन फिर भी यह पड़ोसी मुल्क खुद डूबना चाहता है तो कोई क्या करे। भारत के साथ पंगे लेना बांग्लादेश के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। बात आगे बढ़ी तो बांग्लादेश भारत का एक झटका नहीं झेल पाएगा। बांग्लादेश अभी भी कई खाने-पीने समेत दूसरी कई चीजों को लेकर भारत पर बहुत निर्भर है। अग बांग्लादेश भारत से दूरी बनाता है तो यह उसकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक हो सकता है।

किंग्स कॉलेज लंदन में अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर हर्ष पंत का कहना है कि बांग्लादेश की महंगाई को भारत ने ही थाम रखा है। भारत से जिस कीमत पर सामान बांग्लादेश में पहुंचता है, उस कीमत पर दुनिया का कोई भी देश उसे नहीं दे सकता है। चाहे चीन हो या पाकिस्तान, बांग्लादेश में सामान पहुंचाने के लिए बंगाल की खाड़ी के रास्ते आएंगे, जो काफी खर्चीला और जोखिम भरा है। बावजूद इसके बांग्लादेश ने हाल में करीब 25 हजार टन चीनी पाकिस्तान से मंगाई है। अब सवाल ये उठता है कि जो पाकिस्तान खुद बदहाल है, वह कम कीमत पर बांग्लादेश को कब तक और कितनी मदद पहुंचा सकता है।

बांग्लादेश भारत से गेहूं, प्याज, लहसुन, कपास, अनाज, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक, स्टील आदि चीजें खरीदता है और काफी हद तक भारत पर ही निर्भर है। वहीं दूसरी ओर भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत और बांग्लादेश के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 16 बिलियन डॉलर था। इसमें बांग्लादेश का निर्यात करीब 2 बिलियन डॉलर था। अगर बांग्लादेश भारत के साथ संबंध बिगाड़ कर उसे बहुत बड़ा व्यापारिक घाटा होगा।

जैसी की कहावत है कि दूसरों का घर जलाकर हाथ सेंकना भी दुश्मनी का एक हुनर है और इसी कहावत को पाकिस्तान आजकल बांग्लादेश पर आजमा रहा है। चीन और पाक मिलकर बांग्लादेश को भारत के खिलाफ खड़ा करना चाहते हैं, ताकि वे हमें पूरब और पश्चिमी दोनों तरफ से घेर सकें। बांग्लादेश में तो यहां तक सुर उठने लगे हैं कि उसे पाकिस्तान से परमाणु तकनीक लेनी चाहिए। अगर बांग्लादेश को परमाणु तकनीक मिल भी जाती है तो भी उसे नुकसान ही होगा, क्योंकि ऐसा होने पर पश्चिमी देशों का भयंकर प्रतिबंध उसे झेलना पड़ सकता है। इतना ही नहीं ऊपर दिए आंकड़े भी साफ कहते हैं कि भारत से दुश्मनी करके बांग्लादेश का अस्तित्व बिना किसी हथियार के ही बिखर जाएगा, क्योंकि भुखमरी, बेरोजगारी और महंगाई किसी भी युद्ध से ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

भारत पर बांग्लादेश की निर्भरता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि उसकी 94 फीसदी सीमा भारत से लगी हुई है। दोनों देशों की 4,367 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जो बांग्लादेश की कुल अंतरराष्ट्रीय सीमा का 94 फीसदी है। जाहिर है कि बिना भारत के सहयोग के उसका व्यापार चल नहीं पाएगा। पाकिस्तान के बहकावे में आकर उसने भारत का विरोध तो शुरू कर दिया है और चीन व पाकिस्तान उसे व्यापार करने का प्रलोभन भी दे रहे, लेकिन बांग्लादेश तक पहुंचने के एकमात्र रास्ते बंगाल की खाड़ी के जरिये वहां सामान भेजना मुश्किल तो होगा ही महंगा भी बहुत पड़ेगा।

94 फीसदी सीमा साझा कर बांग्लादेश सामरिक और सुरक्षा की दृष्टि से तो पूरी तरह भारत पर निर्भर है ही, इसके अलावा कपास, लहसुन, प्याज, गेहूं, चावल, चीनी, अनाज, पेट्रोल-डीजल, इलेक्ट्रिक उपकरण, प्लास्टिक और इस्पात के लिए भी उसका एकमात्र साथी भारत ही है। अगर भारत ने इन चीजों के निर्यात से मुंह मोड़ लिया तो उसकी बर्बादी तय है। रही बात भारत के लिए बाजार की तो उसकी भरपाई दूसरे रास्तों से हो जाएगी। दक्षिण एशिया में भारत और बांग्लादेश सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। 2022-23 में दोनों देशों का कुल व्यापार करीब 16 अरब डॉलर का था, जिसमें बांग्लादेश से निर्यात महज 2 अरब डॉलर और भारत से 14 अरब डॉलर था। जाहिर है कि भारत के सामानों पर बांग्लादेश की निर्भरता किस कदर है, यह बात किसी से छुपी नहीं है। बांग्लादेश ने अगस्त से अब तक कितना नुकसान उठाया इसकी बानगी आंकड़े खुद पेश करते हैं। शेख हसीना के कार्यकाल में साल 2009 से जुलाई 2024 तक बांग्लादेश की जीडीपी की विकास दर 6।3 फीसदी रही, जिसे अब मूडीज और एडीबी जैसी रेटिंग एजेंसियों ने 5 फीसदी से भी नीचे का अनुमान लगाया है। उसकी जीडीपी जहां 455 अरब डॉलर तक पहुंच गई थी और प्रति व्यक्ति आय 2,784 डॉलर तक, वहीं अगस्त से अब तक महज 4 महीने में ही बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को करीब 2 लाख करोड़ रुपये की चपत चल चुकी है।

देखा जाय तो पाकिस्तान के प्रति बांग्लादेश का ये प्रेम दरअसल शेख हसीना के विरोध में कुछ ज्यादा उमड़ रहा है। बांग्लादेश की सरकार इस वक्त शेख हसीना के विरोध में इस कदर बौखलायी हुई है कि उसको पाकिस्तान के दिए हुए घाव भी याद नहीं हैं। उसको भारत दिख रहा है। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार भले ही 1971 के पाकिस्तानी अत्याचार को भूल गई हो, लेकिन मानव इतिहास उसको भूल नहीं पाएगा। बांग्लादेश को याद रखना चाहिए कि आज का बांग्लादेश 1971 की शुरुआत में पाकिस्तान का हिस्सा था और इसे पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था। 1970 में पाकिस्तान में हुए चुनाव में पूर्वी पाकिस्तान के शेख मुजीबुर्हमान की पार्टी ने जीत हासिल की, लेकिन पश्चिमी पाकिस्तान के नेता और फौजी अधिकारी पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी शेख मुजीब को सत्ता सौंपने को हरगिज तैयार नहीं थे।

सवाल है कि पाकिस्तानी फौज की बांग्लादेश में एंट्री से बांग्लादेश के लिए कैसी मुसीबतें आ सकती हैं? इससे बांग्लादेश फिर से पूर्वी पाकिस्तान जैसी बदहाली वाली स्थिति की तरफ जा सकता है। बांग्लादेश के विकास पर पाकिस्तानी शह पर पलने वाले आतंकवादियों का कब्जा हो सकता है और बांग्लादेश में लोकतंत्र का चिराग बुझ सकता है। खबरों के मुताबिक, बांग्लादेश अब पाकिस्तान से गोले बारूद भी मंगवाने लगा है। सितंबर से दिसंबर के बीच ही 40 हजार कारतूस बांग्लादेश में पहुंचे। इसके अलावा 40 टन से ज्यादा आरडीएक्स भी पहुंच चुका है। इतना ही नहीं अगले साल फरवरी में कराची में दोनों देशों की नौसेना संयुक्त युद्धाभ्यास भी करने वाली है। क तरफ ढाका और इस्लामाबाद के बीच सीधी विमान सेवा का एलान हो चुका है तो दूसरी तरफ पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा में ढील दी गई है। अभी तो सब कुछ सुहाना दिख रहा है, लेकिन आईएसआई के दखल का असर जब होगा, तो शायद तब तक बांग्लादेश के लिए काफी देर हो चुकी होगी।

भारत के 80 किमी चौड़े सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर बांग्लादेश में पाकिस्तानी फौज की एंट्री से खतरा बढ़ सकता है, जिसे चिकन नेक के नाम से जाना जाता है। ये कॉरिडोर भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की अहमियत भारत के लिए इसलिए भी है कि भूटान के डोकलाम पर चीन कब्जा चाहता है। ऐसे में बांग्लादेश की जियोपॉलिटिकल लोकेशन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है कि उधर से चीन को कोई सहयोग ना मिले। बांग्लादेश का पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकना भारत के लिए कूटनीतिक और सामरिक नजरिए से सतर्क होने का अलार्म बजा रहा है। बांग्लादेश में पाक की एंट्री के बाद पूर्वोत्तर के कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठनों के पैर पसाने का खतरा बढ़ सकता है। ग्रुप के और हावी होने की आशंका है। लेकिन अब जब पाकिस्तानी सेना का बांग्लादेश में दाखिल होने की तैयारी में है तो इससे भारत को पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश की सीमा पर भी पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहना पड़ेगा।

पाकिस्तानी सेना का अगर बांग्लादेश में दखल बढ़ा तो ये काफी लाजमी हो जाएगा कि इसका असर भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर भी ज्यादा पड़ेगा। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को गिराए जाने के बाद से ही वहां मौजूद हिंदुओं की जो स्थिति है उसे लेकर भारत पहले से ही अपनी चिंताएं व्यक्त करता रहा है। इसके बावजूद भी बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार जारी है। ऐसे में अब पाकिस्तान से बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकियां भारत के साथ उसके साथ संबंध पर असर जरूर डालेंगे।

उपलब्धियां

अवनीश सोमकुंवर

लेखक उपसंचालक जनसंपर्क मप्र हैं।

जल क्रांति की बुनियाद रखने वाला वर्ष रहा 2024

2024 को मध्यप्रदेश में जल क्रांति की बुनियाद रखने वाले वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। साल की शुरुआत से जो प्रयास चल रहे थे उन्हें अंततः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों एक ठोस बुनियाद मिली। दशकों से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की शुरुआत की नींव पड़ी और साल के आखिर आते-आते देश की पहली नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना केन-बेतवा की आधारशिला भी प्रधानमंत्री ने रखी। यह दोनों परियोजनाएं न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश में जल राशि के समान वितरण और न्यायपूर्वक उपयोग की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगी। अन्य देशों के लिए भी यह उदाहरण होगा।

वर्ष 2024 मध्यप्रदेश के लिए अभूतपूर्व गतिविधियों और उपलब्धियों भरा वर्ष रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने एक वर्ष पूरा किया। कई ठोस निर्णय लिए गए जो भविष्य में परिवर्तनकारी साबित होंगे।

उत्साहजनक औद्योगिक निवेश

वर्ष 2024 एक प्रकार से निवेश के लिए भी फलदाई रहा। सरकार की नीतियों और निर्णयों से प्रभावित होकर निवेशकों ने क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलनों के माध्यम से भरपूर निवेश किया।

मध्यप्रदेश के औद्योगिक निवेश परिदृश्य में सकारात्मक और उत्साहजनक परिवर्तन हुआ। पहली बार प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक भागों में औद्योगिक निवेश पहुंचाने की पहल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलनों का आयोजन इस दृष्टि और दर्शन के साथ किया गया कि औद्योगिक निवेश किसी एक भूभाग में न होकर उनका सामान वितरण हो। इससे औद्योगिक निवेश का फायदा समान रूप से सभी लोगों को एक समान रूप से हो सके। इसके पीछे सोच समझ यह रही कि प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषताएं हैं। निवेश की अपनी संभावनाएं हैं। इनका दोहन भी रणनीतिक तरीके से होना चाहिए। इससे औद्योगिक विकास के साथ स्थानीय रूप से रोजगार का सृजन भी बड़े पैमाने पर होगा। आने वाले वर्षों में इसके

सुपरिणाम दिखाई देंगे। प्रदेश में 6 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से तीन लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले। इनसे रोजगार निर्माण का परिदृश्य सकारात्मक रूप से बदलेगा। निवेश आकर्षित करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यूके और जर्मनी यात्रा में 78 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। मुम्बई, कोयंबटूर, बैंगलुरू और कोलकाता में हुए रोड-शो में एक लाख करोड़ और भोपाल में आयोजित खनन कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस प्रकार 2024 औद्योगिक निवेश के लिए उत्साहजनक रहा, जो प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के बड़े अवसर उपलब्ध करवायेगा।

नवाचारों से मिली नई पहचान

साल के आखिर आते तक मध्यप्रदेश के कई क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक पहचान मिली और पर्यटन क्षेत्र को सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों वाले प्रदेश के रूप में मान्यता मिली। सूचना प्रौद्योगिकी का रचनात्मक उपयोग करते हुए नागरिक सुविधाओं की पहुंच बढ़ाना और उन्हें सरल करने के प्रयासों की श्रृंखला में साइबर तहसील का संचालन वर्ष-2024 के लिए अत्यंत सफल और प्रशंसनीय प्रयास साबित हुआ। इससे मानवीय हस्तक्षेप के कारण होने वाली गलतियों की संभावनाएं समाप्त हो गई। इसी साल मध्यप्रदेश में एक क्रांतिकारी पहल करते हुए जिला इकाइयों के पुनर्गठन के लिए विशेष परिसीमन आयोग का गठन किया। आयोग ने काम करना शुरू कर दिया। भविष्य में इसकी सिफारिशों के आधार पर जिलों और संभाग की सीमाओं का पुनर्गठन होगा। इससे प्रशासनिक स्तर पर आने वाली बहुत सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी। मध्यप्रदेश में राजस्व संग्रहण में भी वर्ष-2024 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर राजस्व संग्रहण के प्रयासों को सफलता मिली। इसका सीधा संबंध कर चुकाने वाले समुदाय, व्यापारिक समूहों और राज्य सरकार के बीच आपसी विश्वास का मजबूत होना है। स्व-प्रेरणा से राजस्व अदा करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। राजस्व महाअभियान 1, 2 और 3 चलाकर राज्य सरकार ने कई लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण और राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त किया। शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम यह रहा कि सभी जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ हो गया।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कई अभूतपूर्व कदम सरकार ने उठाए। पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ हुआ। इससे दूरस्थ क्षेत्र के गंभीर रूप से बीमार या दुर्घटनाग्रस्त लोगों को एयरलिफ्ट कर समय पर उपचार देने की संवेदनशील पहल रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में ही कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षा और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का आपस में विलय कर दिया गया। किसानों के हित में श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना का लागू होना एक विशेष उल्लेखनीय पहल रही। किसानों को प्रति क्विंटल एक हजार रूपये की विशेष प्रोत्साहन राशि देने का भी दूरदृष्टि भरा निर्णय रहा। साल की शुरुआत में ही इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कराकर सरकार ने संवेदनशील और गरीब हितैषी होने का परिचय दे दिया था। अब ग्वालियर सहित अन्य शहरों में बंद पड़ी मिलों के संबंध में भी इंदौर की तर्ज पर काम होगा। जनजातीय परिवारों के हित में ऐतिहासिक पहल करते हुए शिवपुरी जिले में देश की सबसे पहली प्रधानमंत्री जन मन कॉलोनी सहरिया परिवारों के लिए बनी।

आध्यात्मिक नवजागरण

वर्ष-2024 को संस्कृति और आध्यात्मिक नवजागरण के प्रयासों को समर्पित वर्ष भी कहा जा सकता है। बीते वर्ष में धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कई महत्वपूर्ण काम हुए हैं। पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा और पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ हुआ। विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का शुभारंभ उज्जैन में हुआ। विश्व समुदाय को भारतीय काल गणना की परंपरा से साक्षात्कार करने का मौका मिला। सिंहस्थ-2028 की तैयारी व्यवस्थित रूप से करने के लिए टास्क फोर्स ने काम करना शुरू कर दिया है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े सभी तीर्थ-स्थलों को जोड़कर श्रीकृष्ण पाथेय योजना बनाकर तीर्थ स्थलों के निर्माण की शुरुआत हुई। अनूठी वृंदावन ग्राम योजना सामने आई, जिसमें हर विकासखंड के एक गांव को वृंदावन गांव के रूप में आदर्श बनाया जाएगा। सभी नगरीय निकायों में गीता भवन की स्थापना करने का निर्णय कई अर्थों में अभूतपूर्व और सांस्कृतिक पुनरूत्थान के लिए क्रांतिकारी निर्णय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में मध्यप्रदेश ने साढ़े 5 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा और भी कई रिकॉर्ड मध्यप्रदेश के नाम रहे, जिसमें कथक कलाकारों द्वारा एक साथ कत्थक नृत्य करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खजुराहो में बना। ग्वालियर में 1500 तबला वादकों ने एक साथ वंदे-मातरम् बजा कर गिनीज रिकॉर्ड बनाया। साथ ही गीता जयंती पर एक साथ 5 हजार से अधिक आचार्य एवं बटुकों ने एक साथ गीता का पाठ कर गिनीज बुक में नाम दर्ज करवाया है।

हार से परेशान कप्तान और हमारी प्रतिक्रिया

मानसिक सेहत

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक विश्लेषक

क्रिकेटर रोहित शर्मा ने कहा कि मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद वे दुखी और मानसिक रूप से प्रभावित हैं। एक कप्तान का यह स्वीकार करना कि वह हार से मानसिक संघर्ष कर रहा है, एक ईमानदार और मानवीय प्रतिक्रिया है। यह न केवल खेल के भावनात्मक पक्ष को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि खिलाड़ी भी आम इंसानों की तरह ही मानसिक दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जनता को इस पर कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए?

खिलाड़ी रोबोट नहीं होते। उनकी हार और मानसिक संघर्ष को समझने के लिए उनके संघर्ष और मेहनत का सम्मान करना ज़रूरी है। जनता को यह समझना चाहिए कि खेल में हार-जीत सामान्य है और यह किसी भी खिलाड़ी के समर्पण या प्रयास को कम नहीं करता। नकारात्मक आलोचना और ट्रोलिंग खिलाड़ी की मानसिक स्थिति को और खराब कर सकती है। इसके बजाय, सकारात्मक संदेश भेजना, जैसे 'हम आपके साथ हैं' या 'आपसे अगली बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है,' कप्तान और टीम का मनोबल बढ़ा सकता है।

प्रशंसकों की आलोचनात्मक टिप्पणियाँ या अत्यधिक अपेक्षाएँ खिलाड़ियों को मानसिक रूप से और अधिक प्रभावित कर सकती हैं। जनता को अपनी अपेक्षाओं का संतुलन बनाकर रखना चाहिए और खिलाड़ियों को हार के बाद सुधार का मौका देना चाहिए। खेल में हार हमेशा टीम के प्रदर्शन को परिभाषित नहीं करती। यह सुधार और सीखने का अवसर भी हो सकती है। खिलाड़ियों को यह महसूस कराना चाहिए कि वे भविष्य में बेहतर करने के लिए समर्थ हैं।

जब बड़े मंच पर खेलने वाले खिलाड़ी मानसिक संघर्ष की बात करते हैं, तो यह मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा को बढ़ावा देता है। यह समय है कि जनता मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी समझ और संवेदनशीलता बढ़ाए। कप्तान को मिले समर्थन का सीधा असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ता है। जब कप्तान को जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी, तो वह अपनी टीम को बेहतर नेतृत्व देने में सक्षम होगा। खेल का असली मकसद मनोरंजन, प्रेरणा और एकता है। हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन खिलाड़ियों का सम्मान और समर्थन बनाए रखना प्रशंसकों की ज़िम्मेदारी है।

रोहित शर्मा जैसे अनुभवी और प्रेरणादायक खिलाड़ी जब अपनी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से साझा करते हैं, तो यह साहस का प्रतीक है। यह हमें एक बड़े संदेश की ओर इशारा करता है- मानसिक संघर्ष को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। जनता को अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका ध्यान केवल खेल पर हो, न कि अनावश्यक दबाव और आलोचना पर। खेल की भावना को बनाए रखना न केवल खिलाड़ियों की, बल्कि प्रशंसकों की भी ज़िम्मेदारी है। हार के बाद का समय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने और उनके साथ खड़े रहने का है। यही सही मायने में एक सच्चे प्रशंसक की पहचान है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुन मेरा कहना, जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना

'दुखी मन मेरे, सुन मेरा कहना/ जहां नहीं चैना/ वहां नहीं रहना'।

गीतकार ने कितने दार्शनिक अंदाज में बहुत सहजता से जीवन में चैन की प्राप्ति के लिए गम्भीर व मार्गदर्शी सुझाव दिया है. बात साधारण सी है कि यदि आपको चैन चाहिए तो बेचैनी वाली जगह को छोड़ दो और नई जगह तलाश लो. लेकिन जिद्दी बेचैन लोग है कि मानते ही नही. चैन की तलाश में अड़े रहते हैं, जन्हा अटके थे वहीं अटके रहते हैं. बैठे थे तो बैठे रहते हैं, खड़े थे तो खड़े रहते हैं और लेटे हो तो करवट बदलते रहते है. जहां चैन नहीं है वहां नहीं रहना है, इतनी सी बात समझ में आ जाए और अमल करे तो चैन की बंशी बजाएंगे, पर उनका मन है कि दुखी रहने पे तुला है. जगह छोड़ने या बदलने का जरा सा काम नही करेंगे और नियति व भाग्य को कोसते रहेंगे.

साहित्य का काम रास्ता दिखाना है और उसने अपना काम कर दिया है. अब यह सामाजिक प्राणियों को तय करना है कि वह इस राह पर चलना चाहते हैं कि नहीं. जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग व प्रभाव पर कोई शोधपत्र या रिपोर्ट तो देखने में नहीं आई है. लेकिन सूचना माध्यमों से इस निष्कर्ष पर तो पहुंचा ही जा सकता है कि राजनीति के पाठ में इससे बड़ी सीख ली गई है. राजनीति के अर्थ में स्पष्ट है कि यह राज करने की नीति से सम्बंधित क्षेत्र है. राज करना किसे अच्छा नहीं लगता है? और राजनीति में आए है तो राज करने की इच्छा स्वाभाविक ही है. साधारण सदस्य है तो सक्रिय सदस्य बनना चाहेगा, सक्रिय सदस्य से पदाधिकारी व जनप्रतिनिधी बनना चाहेगा, जनप्रतिनिधि है तो मंत्री, मंत्री है तो मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री आदि, यह सब स्वाभाविक है. अब यदि यह सब प्राप्त नहीं होता है तो बेचैन होना भी स्वाभाविक है. इस बेचैनी से उभरने का मार्ग उपरोक्त गीत ने सुझाया ही है. समझदार, होशियार व चतुर लोग इस राह पर चल रहे हैं और पद, नाम, मान, सम्मान के लिए यथा समय निर्णय लेकर वहां नहीं रहते हैं जहां उन्हे चैन अर्थात् यह सब नहीं मिल पाता है. दूसरी जगह पर जाकर चैन से रहते हैं और जब वन्हा भी बेचैनी हो तो तीसरी व चौथी जगह ढूंढ लेते हैं या अनुकूल परिस्थितियां हो तो घर वापसी कहकर पहली जगह फिर लौट आते हैं. ऐसे बिरले पात्र भी इतिहास में देखे जा सकते हैं जिन्हे हमेशा चैन ही प्राप्त हुआ है. अब जो किसी संकोच वश इस राह का अनुसरण नहीं कर पा रहे हैं, उनकी बेचैनी के लिए वे खुद जिम्मेदार हैं. उनकी पीड़ा को समझते हुए उनके प्रति सहानुभूति भी सार्वजनिक रुप से व्यक्त नहीं की जा सकती है.

शिक्षा के क्षेत्र में पहले यह सुविधा नहीं थी, एक बार बी ए, बी काम, बी एस सी में प्रवेश ले लिया तो ले लिया फिर आपको चैन हो या न हो इन्ही विषयों को पढ़ना पडता था. भला हो नई शिक्षा नीति का कि अब आप प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के बाद भी विषय परिवर्तन कर सकते हैं. और तो और विज्ञान के साथ कला या वाणिज्य के विषय का भी समूह चुन सकते हैं तथा इसका विलोम समूह भी अपना सकते हैं. नीति निर्माताओं का काम नीति बनाना है सो उन्होंने बना दी. जिन्हे इस नीति को अमल में लाना है, यह उनकी जवाबदेही है कि जिन छोटे-छोटे भवनों में वह एक संकाय का महाविद्यालय जैसे संचालित कर रहे थे, उसी भवन में सभी संकायों के सभी विषयों को समाहित कर वैसे ही शिक्षण संस्थान चला कर दिखाए. सभी संकाय के सभी विषयों की फेकल्टी नियुक्त करना तो उनका प्राथमिक कर्तव्य है ही.

न फलने की स्थिति में घर, दुकान, संस्थान, व्यापार आदि को भी आखिर लोग बदलते ही हैं. गृह-नक्षत्र के नाम पर या वास्तु शास्त्र के नाम पर रहवासी व व्यवसायिक भवनों में परिवर्तन भी वक्त जरुरत करते ही हैं. अंतिम लेकिन जरुरी स्वास्थ्य के चैन के लिए चिकित्सक भी बदलते ही हैं.

खैर, यह सूची और लम्बी न करते हुए नए वर्ष में इस संकल्प को दोहराए कि 'जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना।'

नया वर्ष

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएं

नया साल कुछ नयापन लेकर आता है, कुछ बदला बदला सा चल रहे समय में कुछ अच्छा सा करता हुआ जब नया साल आता है तो नया साल नया ही नहीं लगता नया दिखता है। यह नया वर्ष 2025 खास है। 2025 के आने में एक सदी का चौथाई हिस्सा खर्च हुआ है। इस समय में बहुत कुछ बदला है, सोच, तकनीक और जीवन शैली में व्यापक परिवर्तन आये हैं जो गांव से लेकर शहर तक दिख रहे हैं। पहले जहां बाजार, शोरूम में बड़े और उच्च मध्य वर्ग के लोग ही ज्यादातर दिखते थे वहीं अब गांव के और शहर के आम आदमी से लेकर हर आदमी दिखता है। हमारे जीवन में, सोच में इतना बदलाव आया है कि सभी जीवनशैली को सुविधा के साथ जोड़ कर देख रहे हैं और अपने जीवन पर संसाधनों को खर्च कर रहे हैं। अब पूंजी केवल रखने की बात नहीं है उसे खर्च भी करना है। यह परिवर्तन सोच में आया है, अब बाजार जाना किसी को भी मुश्किल नहीं लगता। आम आदमी की सोच में आये इस परिवर्तन से बाजार उद्योग जगत खुश हैं और इसे खुशहाली के पैरामीटर के रूप में देखा जा रहा है। हमारे सोचने के तरीके और तकनीक में बदलाव तो आया ही है जीवन व्यवहार में भी बड़ा बदलाव दिख रहा है। यह जो नया साल है उसे यूं ही एक नया साल मानने भर की ग़लती न करें बल्कि इस नये साल की उपस्थिति को अपने जीवन संसार में एक महत्वपूर्ण पड़ाव की तरह लेते हुए आगे चलें। यह नया वर्ष जीवन की दृढ़ता का बने, जो संकल्प लें उसे पूरा करें। अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। चूक कहां हो रही है या क्या कारण है कि हम पहुंचते पहुंचते भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। एक साथ एक से अधिक संकल्पों को लेकर चलते हुए कहां अटक जाते हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अपने संकल्पों को परिभाषित करना होगा। आपका संकल्प केवल आपका नहीं है उस संकल्प के साथ आपका परिवार है, समाज है और देश है सबको ध्यान में रखते हुए ही चलना होता है। जब हमारे संकल्प में अन्य संसार के लिए भी जगह होती है तो सब मिलकर उस संकल्प को पूरा करते हैं और ऐसे में जो सफलता मिलती है वह सामाजिक सफलता होती है। वह जीवन की सार्थकता भी होती है। नये संदर्भ और नये सिरे से चलने के लिए कुछ सूत्र बनाने पड़ते हैं जो जीवन पथ पर सीख देते हैं -

1. किसी भी कार्य को टालें नहीं। टालमटोल, आगे पीछे की आदतों से मुक्त होकर कार्य करें। आज नहीं कल कर लेंगे ऐसा सोचने वाले कभी भी किसी कार्य को ठीक से कर नहीं पाते हैं। आप जो भी संकल्प करें वह आपका ही हो दूसरे के लिए गये संकल्प को कोई भी पूरा नहीं कर पाता। ऐसा पथ बनाये कि उस पर चलने के लिए आपका किसी से अनुमति न लेना हों।

2. शुभ संकल्पों को करने हेतु तत्परता दिखायें। किसी और के करने से या अपने कार्य किसी और पर टालने से आप कुछ नहीं कर सकते। पीछे-पीछे चलने वाले पिछलग्गू ही बन जाते हैं। ऐसा बनने की जगह जो सोचें उसे स्वयं करें। स्वयं आगे बढ़े। यह स्वयं का आगे बढ़ना ही जीवन के विस्तार में महत्वपूर्ण होता है।

3. कौन क्या कर रहा है कैसे कर रहा है यह आपके लिए महत्वपूर्ण नहीं होना चाहिए। बल्कि आपको यह देखना है कि आप कुछ कर रहे हैं या नहीं और यदि कुछ नहीं कर रहे हैं तो कुछ करने की सोचिए। इस दुनिया में किसी के लिए कुछ भी आसान नहीं है, किसी को कुछ भी यूं ही नहीं मिल जाता है। सभी को संघर्ष की दरिया पार कर आगे बढ़ना होता है। सबका अलग तरीका होता है। अपनी उपस्थिति अपनी जगह, अपनी सफलता स्वयं बनानी पड़ती है। कोई और आपकी सफलता बनाने के लिए कदापि आगे नहीं आयेगा। सबसे जरूरी जो बात है वह यह कि आप अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़े।

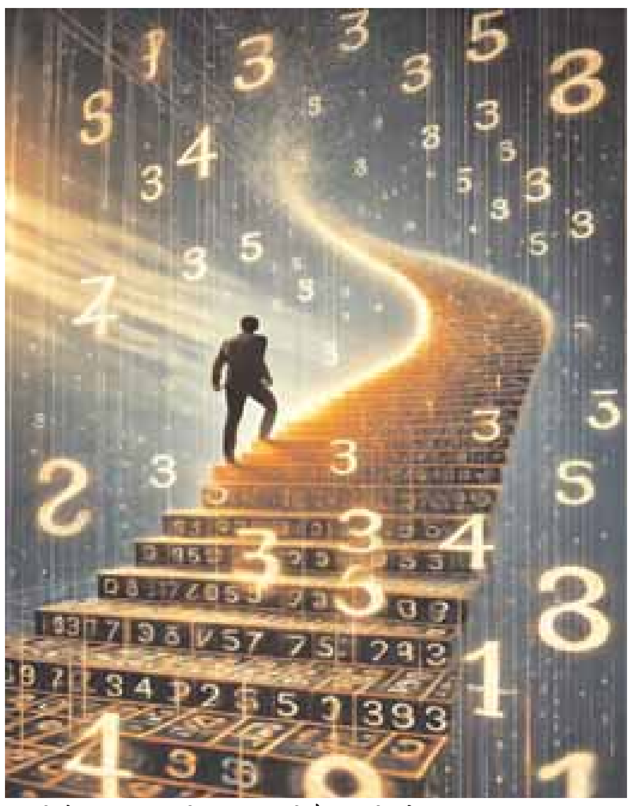

4. अपनी विशेषज्ञता को, अपने हुनर को न छोड़ें। यह आपको ईश्वर ने विशेष रूप से दिया है। इसे लेकर केवल आप ही चलेंगे। अपनी आदतों अपने स्वभाव के साथ आप अकेले हैं तो फिर अकेले ही चलें। किसी और के लिए अपने स्वभाव व आदत में परिवर्तन न लाएं।

5. नये वर्ष में अपनी आदतों, अपने स्वभाव के साथ चलें, सहज और स्वाभाविक रूप से चलें। बस एक बात का ध्यान रखें कि आपकी वजह से कोई दुःखी न हो। यदि आप किसी को किसी तरह का सुख नहीं दे सकते तो अन्य के दुःख और कष्ट का कारण तो न बने। हमेशा बातों, संदर्भों, और घटनाओं को सकारात्मक ढ़ंग से लें। स्वाभाविक रूप से जिंदगी को जीते चलें। यात्रा के क्रम में जो भी पड़ाव आते हैं उसका आनंद लें न कि यूं ही परेशान होते चलें।

6. बहुत सारे ऐसे लोग मिल जाएंगे जो परेशान दिखते हैं पर होते नहीं। बाल बिखरे हैं लस्टम पस्टम पड़े हैं ऐसे लोग बिना किसी परेशानी के परेशान दिखते हैं, इन्हें देखकर दुःख उपजता है। यद्यपि ये दुखी नहीं होते पर दुखी जैसा दिखने का इनका स्वाभाविक परिधान होता है। ये दुःख के संचारी भाव की तरह होते हैं। अतः ऐसे लोगों से 100 फर्लांग दूर रहते अपना कार्य करते चलें । यदि इनके हिसाब से कोई कार्य करते हैं तो बिना बांधा के भी हजार बाधाएं आ जायेंगी।

7. संसार को संसार की तरह लें। किसी भी बात को आश्चर्य की तरह न लें। यदि संसार सहज रूप से उपस्थित हैं तो फिर आप असहज क्यों हो रहे हैं।

8. अपने पथ पर चलते रहें। अपना रास्ता खुद बनाते चलें। यह मानकर चलें कि कोई भी रास्ता कोई भी सफलता यूं ही नहीं मिली है। उसके लिए हर किसी ने अपना सब कुछ दांव पर लगाया है। कोई भी सफलता क्यों न हो वह कड़ी मेहनत और एक निश्चित दिशा में चलने का परिणाम होती है। हर आदमी सफलता के पीछे की मेहनत और संघर्ष को नहीं देखता उसे तो बस चमकीली सफलता ही दिखती है।

9. अपने संकल्प को पूरा करने के लिए पहले दिन से ही जुट जाएं। हर सफलता के पीछे कड़ी मेहनत और प्लानिंग होती है। लगातार मेहनत और लगन से ही अपने पथ पर चला जा सकता है।

सफलता के पथ को स्वयं के संकल्पों से रचते हुए नये वर्ष में नित्य अपने कदमों को आगे बढ़ाते रहें । आपका यह संकल्प होना चाहिए कि आपके कार्यों की वजह से किसी को दुःख व कष्ट न हो। हर आदमी को अपने शुभ संकल्पों के साथ नये वर्ष के लिए गये संकल्प को पूरा करना होगा। आइए नये वर्ष के साथ अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएं।

नववर्ष

डॉ. मोनिका राज

लेखक पत्रकार हैं।

उपलब्धियों और असफलताओं का मूल्यांकन

नववर्ष एक ऐसा अवसर है जो हमें आत्ममंथन और आत्मविश्लेषण का अवसर प्रदान करता है। यह समय होता है जब हम बीते साल की उपलब्धियों, असफलताओं, और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आने वाले वर्ष की योजनाएँ बनाते हैं। पिछले साल में हमने जो कुछ भी पाया, खोया, सीखा या अनुभव किया, वह हमारे भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करता है।

उपलब्धियों का मूल्यांकन

1. व्यक्तिगत उपलब्धियाँ

पिछला साल हर किसी के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आया। व्यक्तिगत जीवन में किसी ने नई नौकरी पाई, तो किसी ने अपने व्यवसाय में तरक्की की। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, बहुत से लोगों ने फिटनेस को लेकर जागरूकता दिखाई। आत्म-विकास की दृष्टि से, कई लोगों ने नई किताबें पढ़ीं, नए कौशल सीखे, या मानसिक शांति पाने के लिए योग और ध्यान जैसे उपाय अपनाए।

2. सामूहिक उपलब्धियाँ

सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर, पिछले साल की उपलब्धियाँ भी महत्वपूर्ण रहीं। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए अनुसंधान हुए। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ और महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण अभियान में प्रगति हुई। पर्यावरण के क्षेत्र में, कई देशों ने हरित ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में बड़े कदम उठाए।

3. राष्ट्रीय उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय स्तर पर, शिक्षा, स्वास्थ्य, और अवसंरचना में महत्वपूर्ण सुधार हुए। भारत जैसे देश में डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता बढ़ी। आर्थिक दृष्टि से भी, कठिनाइयों के बावजूद, स्टार्टअप और व्यवसायों ने तेजी से उभरकर दिखाया कि चुनौतियों के बावजूद प्रगति संभव है।

असफलताओं का मूल्यांकन

1. व्यक्तिगत असफलताएँ

हर व्यक्ति को जीवन में कुछ न कुछ असफलताओं का

सामना करना पड़ता है। पिछले साल में, कई लोगों ने अपने लक्ष्य पूरे न कर पाने की निराशा झेली। यह हो सकता है कि उन्होंने जो योजना बनाई थी, वह असफल रही हो, या किसी बड़ी परीक्षा में विफलता का सामना करना पड़ा हो। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में, तनाव, चिंता, और अवसाद जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।

2. सामूहिक असफलताएँ

सामूहिक रूप से देखें तो, समाज ने कई समस्याओं का सामना किया। बढ़ती बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, और असमानता जैसे मुद्दे समाज के सामने बड़ी चुनौतियाँ बनी रहीं। कई बार सामाजिक एकता और सद्भाव में कमी भी देखने को मिली।

3. राष्ट्रीय असफलताएँ

राष्ट्रीय स्तर पर, आर्थिक अस्थिरता, महँगाई, और वैश्विक मंदी जैसे मुद्दे सामने आए। शिक्षा के क्षेत्र में, महामारी के बाद भी कई बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा नहीं मिल पाई। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में भी कई खामियाँ दिखीं।

उपलब्धियों और असफलताओं से मिली सीख

अवसरों और चुनौतियों से भरा हर साल हमें कुछ नया सिखाता है। पिछले साल ने हमें सिखाया कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखना चाहिए। व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों से हमने यह भी समझा कि समस्याओं का समाधान केवल योजना बनाकर ही नहीं, बल्कि उसे क्रियान्वित करके ही संभव है।

1. आत्म-विश्लेषण का महत्व

आत्म-विश्लेषण के बिना, हम अपनी गलतियों को समझ नहीं सकते। यदि कोई लक्ष्य अधूरा रह गया, तो इसके पीछे कारण क्या थे? क्या हमने पर्याप्त मेहनत नहीं की, या हमारी रणनीति में कमी थी?

2. लचीलापन और धैर्य की भूमिका

पिछले साल ने हमें सिखाया कि असफलता के बाद भी प्रयास करना ही सफलता का मार्ग है। लचीलापन और धैर्य से हम किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं।

3. सामूहिक प्रयासों की ताकत

सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर, यह स्पष्ट हुआ कि जब लोग एक साथ काम करते हैं, तो बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। महामारी के दौरान यह बात स्पष्ट हो गई कि एकजुटता से ही किसी संकट का सामना किया जा सकता है।

आने वाले वर्ष के लिए दृष्टिकोण

नववर्ष केवल उत्सव मनाने का समय नहीं है; यह उन योजनाओं को अमल में लाने का समय है जो हमने अपने लिए तय की हैं।

1. लक्ष्य निर्धारित करें

पिछले साल की उपलब्धियों और असफलताओं को ध्यान में रखते हुए, हमें नए लक्ष्यों को निर्धारित करना चाहिए। ये लक्ष्य यथार्थवादी, मापनीय और समय-सीमा के भीतर पूरे होने वाले होने चाहिए।

2. व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें

अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, और मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। ध्यान, योग, और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। नए कौशल सीखने और आत्म-विकास पर ध्यान केंद्रित करें।

3. सामूहिक और सामाजिक भागीदारी

सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और अपने समुदाय की प्रगति में योगदान दें। पर्यावरण की रक्षा के लिए छोटे-छोटे कदम उठाएँ, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग और ऊर्जा की बचत।

4. आर्थिक स्थिरता की ओर ध्यान दें

व्यक्तिगत और राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक स्थिरता लाने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए। व्यवसायों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना, और तकनीकी साक्षरता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा।

नववर्ष केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। यह आत्म-मूल्यांकन और आत्म-सुधार का समय है। पिछले साल की उपलब्धियाँ हमें प्रेरित करती हैं, जबकि असफलताएँ हमें मजबूत बनाती हैं। जीवन के हर अनुभव से सीखकर, हमें एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करनी चाहिए। नववर्ष की यही सबसे बड़ी शिक्षा है कि हर दिन एक नई शुरुआत है और हर प्रयास सफलता की ओर एक कदम। नए साल में, यदि हम अपने अनुभवों का सही तरीके से मूल्यांकन करें और उनके आधार पर ठोस कदम उठाएँ, तो निश्चित ही यह साल हमारे जीवन को एक नई दिशा देगा।

कविता

पच्चीस की अगुवाई में!

\- रामेश्वरम तिवारी

पच्चीस की हो रही अगुवाई,
आकांक्षा संग हो रही सगाई,
हयात घायल हुई जा रही है,
दुनिया पागल हुई जा रही है।

समय का दरिया बह रहा है,
आगे को बढ़ना, कह रहा है,
गाड़ी-घोड़ों, बँगलों के पीछे,
दुनिया पागल हुई जा रही है।

एक दूसरे के सभी पीछे पड़े,
महज कहने को हैं लोग बड़े,
रस्सा-खींच में सब लगे हुए,
दुनिया पागल हुई जा रही है।

रिश्ते-नाते पीछे को छूट रहे,
अश्के-खून के हैं पी घूँट रहे,
मिथ्या, दिखावे-आडम्बर में,
दुनिया पागल हुई जा रही है।

वर्ष 2025

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

नववर्ष : बीते अनुभव, नई उम्मीदें

नववर्ष का आगमन हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और उमंग लेकर आता है। यह केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का प्रतीक नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। यह समय हमें आत्ममंथन और आत्मविश्लेषण का अवसर देता है, जहाँ हम बीते वर्ष के अनुभवों को देखते हुए आगामी वर्ष के लिए योजनाएँ बनाते हैं। पिछले साल की उपलब्धियाँ, असफलताएँ, और अनुभव हमारे लिए प्रेरणा और सीख के रूप में काम करते हैं। हर नया वर्ष हमें यह अवसर देता है कि हम अपने जीवन में कुछ नया जोड़ें और अपनी पुरानी गलतियों को सुधारते हुए आगे बढ़ें।

बीते वर्ष की उपलब्धियाँ हमें गर्व से भर देती हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, कई लोगों ने अपने करियर में प्रगति की, नई नौकरियाँ पाईं, या प्रमोशन हासिल किया। कुछ ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव किए। महामारी के बाद, स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर बढ़ी जागरूकता ने योग, ध्यान, और व्यायाम को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाया। छात्रों ने परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया और कई लोगों ने ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से नई स्किल्स सीखी, जो उनके करियर के लिए सहायक सिद्ध होंगी।

परिवार और समाज के स्तर पर भी यह साल महत्वपूर्ण रहा। लोगों ने अपने अपनों के साथ समय बिताने के महत्व को समझा और रिश्तों में सामंजस्य बढ़ा। व्यस्त जीवनशैली के बावजूद, परिवार और दोस्तों के साथ संवाद और समझदारी ने रिश्तों को और मजबूत किया। सामाजिक योगदान के क्षेत्र में भी महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए लोगों ने एकजुट होकर दूसरों की मदद की। राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी बीता साल प्रेरणादायक रहा। भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता ने देश को गर्व का अनुभव कराया। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल हुईं। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि जैसे कदमों ने हमें एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया।

हालाँकि, हर वर्ष की तरह, बीते वर्ष ने हमें असफलताओं का स्वाद भी चखाया। व्यक्तिगत स्तर पर, कई लोग अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में असफल रहे। समय की कमी, अनुशासन की कमी, या अनियोजित कार्य प्रणाली इसके प्रमुख कारण बने। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, कुछ लोग मानसिक तनाव, चिंता, और अवसाद जैसी समस्याओं से जूझते रहे। सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर भी चुनौतियाँ बनी रहीं। महामारी के प्रभाव ने सामाजिक और आर्थिक असमानता को बढ़ावा दिया। गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ स्पष्ट रूप से सामने आईं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी आर्थिक अस्थिरता और महँगाई ने आम जनता को प्रभावित किया। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स को संकट का सामना करना पड़ा। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी खामियाँ देखने को मिलीं। डिजिटल संसाधनों की कमी ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा को बाधित किया। महामारी के बावजूद, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में कमी बनी रही, जो विशेष रूप से चिंताजनक रही।

इन उपलब्धियों और असफलताओं से हमें यह सीखने का अवसर मिला कि सफलता और असफलता दोनों ही हमारे अनुभवों का हिस्सा हैं। हर सफलता हमें प्रोत्साहित करती है और हर असफलता हमें सुधार का अवसर देती है। बीते वर्ष ने हमें यह सिखाया कि आत्मविश्लेषण और योजना का महत्त्व कितना बड़ा है। असफलताओं के कारणों को समझकर, हम बेहतर योजना बना सकते हैं और अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त कर सकते हैं।

आने वाले वर्ष में हमें व्यक्तिगत, सामूहिक, और राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। व्यक्तिगत स्तर पर, हमें अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, और करियर को प्राथमिकता देनी चाहिए। आत्मविकास के लिए नई किताबें पढ़ने, नए कौशल सीखने, और मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग का सहारा लेने जैसे कदम उठाने चाहिए। सामाजिक और सामूहिक स्तर पर, हमें अपने समाज और समुदाय के विकास में योगदान देना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे कदम उठाने होंगे, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग और ऊर्जा की बचत।

राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण से, हमें देश के विकास में सक्रिय भागीदार बनना होगा। तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नए अवसरों का लाभ उठाना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह समय है कि हम अपने अनुभवों से सीख लें और उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव के रूप में अपनाएँ।

नववर्ष हमें यह याद दिलाता है कि हर दिन नई शुरुआत का अवसर है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने प्रयासों को ईमानदारी और संकल्प के साथ जारी रखें। अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते हुए, हमें लचीलापन और धैर्य बनाए रखना होगा। यही प्रयास हमारी सफलता की कुंजी है। आने वाले वर्ष में, यदि हम अपने अनुभवों का सही मूल्यांकन करें और उनके आधार पर ठोस कदम उठाएँ, तो यह वर्ष न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में बल्कि समाज और देश के स्तर पर भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा। यही नववर्ष की सच्ची सीख है।

विकास को रफ्तार, युवाओं को रोजगार और बेहतर शिक्षा

- आधुनिकतम चिकित्सा जैसी अन्य सुविधाओं का है बैतूल जिलेवासियों को इंतजार
- उम्मीदों का चिराग लेकर आयेगा नया साल, खींची जायेगी विकास की नई लकीरें

संजय द्विवेदी बैतूल। नई आशा और सकारात्मक सोच के साथ बैतूल जिला नये साल के स्वागत के लिए तैयार और तत्पर खड़ा हैं। सबको भरोसा है कि नई उम्मीदों के चिराग से नये साल का सबेरा होगा और विकास की नई लकीर खींची जायेगी। वैसे, बैतूल की एक बड़ी खासियत यह भी है कि यहां के लोगों में न तो धैर्य खोने की आदत है और न ही इन्हें निराशा और हताशा के अंधकार में भटकना पसंद है। इस लिहाज से जिलेवासी यह उम्मीद संजोएं है कि नये साल में बैतूल शहर के साथ-साथ पूरे जिले की सूरत संवरेगी। अब हमारा भरोसा बढ़ गया कि नये साल में बैतूलवासी अपने शहर के बदलते स्वरूप को निहारेंगें। इसके बाद कालेज चौक पर सौंदर्यीकरण के कार्य किये जायेगे और ट्रैफि क सिग्रल भी लगेगा। वहीं शहर के अन्य छह चौक-चौराहों को विकसित कर यहां भी सौंदर्यीकरण का काम होना है। नपा बैतूल सीएमओ सतीष मटसेनिया ने बताया कि इसके लिए टीएस आ गई है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना के चौथे चरण में लगभग साढ़े पांच करोड़ रूपये से शहर के छह चौराहों का सौंदर्यीकरण होगा। जिससे शहर और सुंदर और आकर्षक बनेगा।

जिला और ज्यादा सुंदर होगा। बाहर से आने वाले लोग इसको देखकर हैरत में पड़ेगे और विकास को देखकर खुश भी होंगे। वर्ष 2025 में बैतूल शहर में कई ऐसी चीजें होंगी जो शहर की पहचान बनेंगी। राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों का स्वरूप बदलेगा। नये साल में नई उम्मीदें होंगी और होगा विकास का नया आयाम।

सौंदर्यीकरण

चौराहों का होगा सौंदर्यीकरण, कॉलेज चौक पर लगेगा ट्रैफिक सिग्नल

शहर के व्यस्ततम कॉलेज चौक सहित अन्य चौक-चौराहे सुंदर बनेगे। मुख्यमंत्री अधोसंरचना कार्यक्रम के तहत ढाई करोड़ की लागत से कॉलेज चौक पर अभी काम भी शुरू हो चुका है। इस चौक पर चौड़ीकरण से यह

स्वास्थ्य

हर फ्लोर पर मिलेगी लैब रिपोर्ट, नहीं होना पड़ेगा परेशान

जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होगी। अस्पताल प्रबंधन ने इसके लिए अनेकों चरणबद्ध योजनाएं बनाई है। जिला अस्पताल के सीएस डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि बैतूलवासियों के दो साल के लम्बे इंतजार के बाद अब महिला एवं बाल रोग इकाई का नया अस्पताल शुरू हो गया है। इसकी ओटी भी नये साल यानि कुछ ही दिनों में शुरू हो जायेगी। इसी बिल्डिंग में महिलाओं के ब्लड संधारण के लिए कॉर्नर बना दिया है। यहीं ब्लड लेकर कर्मचारी लैब तक जायेगे। नये साल में अस्पताल में खास सुविधा यह भी मिलेगी कि हर फ्लोर पर एक कम्प्यूटर रहेगा। जिसमें लैब की रिपोर्ट उसी फ्लोर से मिल जायेगी, यानि मरीज को लैब तक नहीं जाना पडेगा। इसके अलावा खाली जमीन पर सौंदर्यीकरण का कार्य भी जल्द ही होगा।

नये साल में रखी जा सकती है मेडिकल कॉलेज की नींव ....

बैतूलवासियों को इस बात का भरोसा हो चला है कि नये साल में यहां प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज की नींव रखी जायेगी। मेडिकल कॉलेज के लिए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल लंबे समय से प्रयासरत थे और शासन से मेडिकल कॉलेज के लिए स्वीकृति भी मिल चुकी है। शहर के करीब कुछ स्थानों पर जमीन की तलाश कर फाइल उपर भेजी गई है। जैसे ही जमीन की जगह फ इनल हो जाती है, तो फिर इस साल मेडिकल कॉलेज की नींव रखने का काम भी होगा। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार से विद्याथियों को बाहर जाकर मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ेगे। जानकारों की माने तो बैतूल के ढेर सारे विद्यार्थी अभी बाहर बड़े शहरों में रहकर मेडिकल की पढ़ाई कर रहे है। गरीब तबके के लोग पैसे के अभाव के कारण बच्चों को वहां नहीं भेज पाते है। अब इस सकारात्मक पहल से लोगों की उम्मीदें बढ़ी है। इसके अलावा विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रयासों से सभी खेलों के खिलाडियों हेतु अलग-अलग सर्वसुविधायुक्त राष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान/स्टेडियम की सौगात वर्ष 2025 में बैतूलवासियों को मिलने की उम्मीद लगाए है।

ऐसा है बैतूल जिला

आदिवासी बाहुल्य जिला बैतूल के दक्षिण में सतपुडा की श्रृंखलाओं में फैला हुआ है। जिले की प्रमुख नदियों में से ताप्ती, तवा, माचना, वर्धा, बेल, मोरण्ड एवं पूर्णा आदि है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की वास्तविक जनसंख्या 1,575,247 है। इसमें पुरुष 799,721 और महिला 775,526 है, जो मध्यप्रदेश की जनसंख्या के अनुपात 2.17 प्रतिशत है। बैतूल रेलवे स्टेशन सेंट्रल रेलवे ज़ोन के तहत एक मुख्य रेलवे स्टेशन है। इसका कोड बीजेडयू है। वहीं बैतूल भोपाल से 178 किलोमीटर पर स्थित है। नागपुर से राष्ट्रीय राजमार्ग से होते हुए173 किलोमीटर दूरी पर है। यहां कुकरू, ताप्ती उद्गम, बालाजीपुरम, सालबर्डी, मुक्तागिरि जैसे पर्यटन स्थल है।

नये साल में बैतूल की उम्मीदें

(1) नई ट्रेनों का स्टॉपेज मिलने की आस
(2) नये उद्योगों की स्थापना
(3) ड्रेनेज सिस्टम में सुधार
(4) सफाई की मुकम्मल व्यवस्था
(5) मुख्य बाजारों में जाम से मुक्ति
(6) शहर में बेहतर सडके
(7) 24 घंटे पेयजल की सुविधा
(8) आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा
(9) युवाओं के लिए रोजगार अवसर आदि
(10) सभी खेलों के खिलाडियों हेतु अलग-अलग सर्वसुविधायुक्त राष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान/स्टेडियम की सौगात।

नए वर्ष में लिखी जाएगी पवित्र नगरी मुलताई के विकास की नई इबारत

विधायक एवं नपा अध्यक्ष ने कहा- बनाई गई है ठोस कार्य योजनाएं

असलम अहमद मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई जिले की सबसे महत्वपूर्ण तहसील मानी जाती है किंतु अनेक राजनीतिक घोषणाओ के बावजूद मुलताई को अपने हिस्से की समृद्धि कभी नहीं मिली। वर्ष 2024 भी गुजर गया और यह वर्ष विकास के नाम पर मुलताई के लिए निराशाजनक ही रहा। बरसों से अधर में लटके प्रोजेक्ट बीते वर्ष में बंटाधार योजना बनाकर रह गये। सीवर लाइन प्रोजेक्ट का ठेकेदार मुलताई से लापता हो गया है और पाइपलाइन-सीवर लाइन ठेकेदार द्वारा तोड़ी गई 25 किलोमीटर की मुलताई नगर की सड़के नए वर्ष 2025 में भी यहां के नागरिकों को मुंह चिड़ाती हुई दिखाई देंगी। पूर्व मुख्यमंत्री की ताप्ती लोक की घोषणा और पवित्र नगरी की सबसे पुरानी और प्रमुख मांग मुलताई को जिला बनाने के संबंध में विधानसभा चुनाव में किए गए वादे 2024 के जाने के बाद 2025 को विरासत में मिले हुए हैं, किंतु इस सब के बावजूद आने वाले 2025 में मुलताईवासी यह उम्मीद कर रहें हैं कि अब पवित्र नगरी मे विकास का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। हमनें नए वर्ष में विकास की क्या कार्य योजना है इसको लेकर मुलताई के भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख और नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर से हरिभूमि संवाददाता ने चर्चा की।

ताप्ती सरोवर को मिलेगी गंदे पानी से निजात: नपाध्यक्ष वर्षा गढेकर

नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने बताया कि वर्ष 2025 नगर विकास के लिए नया मिल का पत्थर साबित होगा। नए वर्ष में नगर पालिका ने ताप्ती सरोवर को गंदे पानी से निजात दिलाने के

लिए एलडब्ल्यूएल योजना के तहत लगभग 9 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार किया है जिसका क्रियान्वयन 2025 में किया जाएगा। इसके साथ ही हमने नए वर्ष में रामनगर पटरी के दूसरी ओर के भाग की वषो पुरानी पेयजल समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्य योजना बनाई है। नए वर्ष में रामनगर के हर घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। ताप्ती सौंदरीकरण नए वर्ष में हमारा मुख्य उद्देश्य होगा। हमने शुलुश गेट का टीएस कराया है और आने वाले वर्ष में ग्रीष्म ऋतु में शुलूस गेट निर्माण कार्य भी प्रारंभ कराया जाएगा। शनि सरोवर के सौंदर्यीकरण के लिए भी कार्य योजना बनाई गई है। वर्तमान में 5 करोड रुपए की लागत से नगर में सड़कों एवं चौक -चौराहों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया है जिसमें गुणवत्ता प्रथम प्राथमिकता है।

ताप्ती लोक की कार्य योजना को आगे बढ़ाएंगे विधायक देशमुख

विधायक चंद्रशेखर देशमुख विश्वास दिलाते हैं कि आने वाला वर्ष 2025 उम्मीदो से भरा होगा। ताप्ती लोक की पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणा को अमलीजामा पहनाया जाएगा और इसको लेकर हर स्तर पर

प्रयास करेंगे। पत्र भी लिखे गे और व्यक्तिगत रूप से मंत्री और मुख्यमंत्री से मिलकर ताप्ती लोक की योजना को अमली जामा पहनाने का प्रयास करेंगे, इसके साथ ही नए वर्ष में हमारा प्रयास होगा कि सिंचाई के साधनों में वृद्धि हो, इसके लिए नए सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाएंगे। विधायक चंद्रशेखर देशमुख कहते हैं कि किसान समृद्ध होगा तो क्षेत्र और देश समृद्ध होगा, इसके लिए हमने हमेशा से ही प्रयास किए हैं और आने वाले समय में सिंचाई की नई परियोजनाओं की कार्य योजनाएं बनाई जा रही है जिसके सुखद परिणाम आने वाले वर्ष 2025 में दिखाई देंगे।

संकुल प्राचार्य के सेवानिवृत्ति पर आयोजित किया विदाई कार्यक्रम

बैतूल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भड़ूस संकुल प्राचार्य श्रीमती शर्मिला बिसेन मंगलवार को सेवानिवृत हुई। इस अवसर पर शाला परिवार की ओर से बिदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के प्राचार्य सत्येंद्र उदयपुरे, डीके दाबड़े, प्रताप सिंह गौर,श्रीमती चंदा दीक्षित, श्रीमती ऊषा पालीवाल, श्रीमती भार्गव, फूलसिंह परते, जयेश त्रिवेदी, युवराज सिंह गौर एवं गांव के गणमान्य नागरिक तथा शाला के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री उदयपुरे ने बिसेन मेडम को सेवानिवृत्ति की बधाई दी। अतिथियों ने विदाई के भावुक क्षणों में अपने-अपने शब्दों में बिसेन मैडम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी विशेषताओं का अच्छे से वर्णन किया। बिसेन परिवार के सभी सदस्यों द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए। विचार व्यक्त करते हुए कुछ पल सभी भावुक हो गए। अंत में संकुल प्राचार्य श्रीमती शर्मिला बिसेन मैडम द्वारा बच्चों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समझाइश दी। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए ईमानदारी, कठिन परिश्रम, अनुशासन में रहते हुए विषय की तैयारी करने के लिए कहा तथा अपने माता पिता, गुरुजनों और गांव का नाम रोशन करने कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री अमरुते द्वारा किया गया। अंत में शाला के उच्च माध्यमिक शिक्षक उमेश शर्मा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

विद्युत समस्या को लेकर टूटा किसानों का धैर्य

उभारिया सहित दर्जनों ग्राम के सैकड़ों किसान पहुंचे तहसील

बैतूल/मुलताई। सिंचाई के सीजन में विद्युत समस्या किसानों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है और अब किसानों के धैर्य का बांध भी टूटने लगा है। मंगलवार को मुलताई के ग्राम उभारिया सहित एक दर्जन से अधिक ग्राम के सैकड़ों ग्रामीणों ने पूर्व सरपंच एवं कांग्रेस नेता तकि उल हसन रिजवी के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी मुलताई को सौंपा। जिसमें जौलखेड़ा उप केन्द्र के मोही फीडर से जुड़े एक दर्जन से अधिक ग्रामों को 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही ग्राम पाठाखेड़ा को साईं खेड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में शामिल करने की मांग की गई है क्योंकि इसके आसपास के सभी ग्राम साईखेड़ा थाने में शामिल है और पाथाखेड़ा ग्राम को परिसीमन में भूलवश बैतूल गंज चौकी में शामिल कर लिया गया है और पुलिस की इस गलती का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्राम उभारिया प्राथमिक शाला का शाला भवन निर्माण की मांग की गई। यहां का भवन जर्जर अवस्था में और स्कूल के बच्चों को ठंड के मौसम में बाहर आंगन में पढ़ाई करना पड़ रहा है। इस विरोध प्रदर्शन में ग्राम उभारिया पाठाखेड़ा, जूनापानी, ऐनस, आमाडोह, सेमझिरा, कुण्डई, बोविया, रायसेड़ा, रान झिरीखापा सहित एक दर्जन से अधिक ग्राम के सैकड़ों किसान शामिल हुए और रैली के शक्ल में भाजपा शासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे थे। विद्युत समस्या को लेकर किसानों में रोष साफ देखा जा सकता था। किसानों द्वारा सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि मुलताई तहसील के जौलखेड़ा उप केन्द्र के मोही फीडर से ग्राम उभारिया, पाठाखेड़ा, जूनापानी, ऐनस, आमाडोह, सेमझिरा, कुण्डई, बोविया, रायसेड़ा, झिरीखापा सहित एक दर्जन से अधिक ग्राम के किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई हेतु प्रतिदिन निर्धारित 10 घंटे बिजली आपूर्ति की जाना है किंतु उक्त ग्रामों के किसानों को वर्तमान स्थिति में अपनी फसलों की सिंचाई हेतु मात्र 2-3 घंटे बिजली प्रदान की जा रही है साथ ही कुछ ग्रामों में सप्ताह में एक बार 5-6 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है जिससे कृषक अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे है जिसके चलते किसानों की फसलें सूख रही हैं। विद्युत वितरण केन्द्र मोही से उक्त ग्राम अंतिम छोर पर है एवं विद्युत आपूर्ति के संबंध में जब भी विद्युत विभाग से संपर्क किया जाता है तो वह फाल्ट होना बताता है जबकि विभाग द्वारा जानबूझ कर अंतिम छोर के कुछ ट्रांसफार्मरों को लोड कम करने हेतु विद्युत सप्लाई बंद कर दी जाती हैं। वर्तमान में ग्राम जूनापानी एवं उभारिया में लगभग 10-12 विद्युत ट्रांसफार्मरों से विगत 5 दिनों से बिजली सप्लाई नहीं की गई हैं। साथ ही उपरोक्त ग्रामों विद्युत विभाग द्वारा घरेलू एवं औद्योगिक कनेक्शन से भी अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है जिससे उक्त क्षेत्र के औद्योगिक कार्य ठप पड़े और घरेलू कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। ज्ञापन सौपने वालों में पूर्व सरपंच ताकि उल हसन रिजवी, वर्तमान सरपंच नामदेव पटाए, बबन नरवरे, सुखदेव सोलंकी, किशन लाल धुर्वे ,राजकुमार पवार, कन्हैयालाल धुर्वे ,रोशन कोड़ले, गणेश मगरदे, किशोरी कोड़ले, शेषराव,राजेश मोहबे, हीरालाल परिहार सहित अन्य मौजूद थे।

काशी तालाब की सरकारी नजूल भूमि पर अवैध निर्माण, क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर से की शिकायत

नपा को अवैध निर्माण की जानकारी के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

बैतूल। सदर क्षेत्र में स्थित 400 साल पुराने काशी तालाब की सरकारी नजूल भूमि पर अवैध खुदाई और निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस मामले में मंगलवार 31 दिसंबर को।स्थानीय लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। वी.वी.एम. कॉलेज के सामने स्थित इस ऐतिहासिक तालाब की भूमि का बाजार मूल्य 5 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। यहां कुछ लोगों ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण के उद्देश्य से खुदाई शुरू कर दी है। यह भूमि नजूल शीट नंबर 35, प्लॉट नंबर 26, रकबा 42,270 वर्गफुट में दर्ज है, जो तालाब का भाग मद की है। इस भूमि का मालिकाना हक सरकारी नजूल खसरे में दर्ज है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि इस निर्माण कार्य को समय रहते नहीं रोका गया, तो तालाब का अस्तित्व खतरे में आ जाएगा। अवैध निर्माण से तालाब के आसपास बसे सैकड़ों परिवारों पर भी संकट मंडरा रहा है। जिस स्थान पर खुदाई की जा रही है, वहां पास में कच्ची बस्ती है, जहां कई लोग झोपडयि़ों में रहते हैं। इसके अलावा,

पास ही में शासकीय कन्या स्कूल भी स्थित है। खुदाई के कारण तालाब का ओवरफ्लो सिस्टम पहले ही बंद हो चुका है, जिससे जलभराव और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नगर पालिका परिषद बैतूल ने इस क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह का निर्माण न करने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण जारी है।

स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका के अधिकारियों को इस अवैध निर्माण की जानकारी दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए इस अवैध निर्माण को तुरंत रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तालाब की भूमि पर अतिक्रमण से तालाब की ऐतिहासिकता और सौंदर्य भी खत्म हो जाएगा। ज्ञापन देने वालों में मनीषा साहू, सुशीला साहू, रेखा निरापुरे, महादेव, बबीता, सिंधु, सुनीता, वंशिका, सीता, पुष्पा, कुसुम, रामेश्वर, कृष्णकुमार साहू, नारायण मालवी, रमेश जैन, सुषमा और संध्या शामिल हैं। उन्होंने प्रशासन से निवेदन किया कि काशी तालाब की सरकारी नजूल भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को तुरंत प्रभाव से रोका जाए, ताकि इस ऐतिहासिक तालाब का संरक्षण हो सके और आसपास की बस्ती को किसी भी संभावित खतरे से बचाया जा सके।

पूर्व प्रधानमंत्री को ग्राम पाढर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

बैतूल। ग्राम पाढर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्पेंसर लाल ने डॉ मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी की सौम्यता, शांत स्वभाव, बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता ने उन्हें भारतीय राजनीति में एक विशेष स्थान दिलवाया। आर्थिक विशेषज्ञ माने जाने वाले डॉ मनमोहन सिंह भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने देश के नागरिकों को उनका अधिकार दिया और जनसेवा की। उनके कार्यकाल में किए गए आर्थिक सुधारों को भारतीय राजनीति में हमेशा याद किया जाएगा।

नर्मदापुरम की गपशप..

संजीव डे राय

डूब में आवासीय और व्यवसायिक अनुमति कैसे..!

ग्राम रसूलिया तहसील नर्मदापुरम नगर स्थित परिवर्तित खसरा नंबर 30/2, 31/1/2 कुल रकबा 1.121 हेक्टेयर जो डूब है उसे दी गई आवासीय और व्यवसायिक ले-आउट विकास अनुमति का मामला पेचीदा हो गया.. अधिकारी अब फोन उठाने से बचने लगे। भोपाल तिराहा डूब का बड़ा क्षेत्र इस जगह बरसाती पानी एकत्रित होने के बाद फैलकर निकासी के लिए बनी दो बड़ी-बड़ी 15 से 20 फुट ऊंची पुलिया से निकलकर नर्मदा नदी में डोगरवाड़ा के रास्ते मिलता हैं और एनएच 69 में जमीन से 20 फुट उपर सड़क से जुड़ता है। ऐसे डूब क्षेत्र में फिर मिट्टी भराव के बाद प्रशासन ने सड़क के समानांतर 20 फुट उपर आवासीय और व्यवसायिक ले-आउट विकास अनुमति कैसे जारी कर दी..! जनहित में इस मामले में पुनः विचार किया जाने की बात उठने लगी..

एन एच 69 का रखवाला लापरवाह क्यों..?

नगर से निकलने वाली एन एच 69 की सुरक्षा को लेकर लापरवाही सामने आ रही है। कहा जा सकता है इस सड़क की देखभाल करने वाला यानी रखवाली के लिए जिम्मेदार सजग होकर भी सजग नहीं हैं। भोपाल तिराहे पर वाहनों की सुरक्षा के लिए सड़क के किनारे लगाई रैलिंग तीन जगह काटकर सड़क किनारे वालों ने आवाजाही का मार्ग बना डाला..! ऐसे में सवाल यह भी है कि तिराहा पर फिर लगाई गई पुलिस चौकी का भी औचित्य क्या..? ऐसा महसूस होता है कि पुलिस चौकी वसूली के लिए बनाई है क्योंकि पुलिस चौकी के ठीक पीछे चोरी की मिट्टी से डूब क्षेत्र का धड़ल्ले से भराव हो गया और सामने से रैलिंग काटकर लोग आवागमन का रास्ता बना चुके। फिर कल को होने वाले हादसे की जिम्मेदारी किसके सिर माथे बांधी जायेगी..?

मिट्टी भराव पहले फिर विकास अनुमति कैसे ..

वन-विभाग के उच्च पद से सेवा निवृत्त हुए मधुकर चतुर्वेदी का एक सवाल महत्वपूर्ण है..भोपाल तिराहा डूब क्षेत्र में मिट्टी भराव के बाद विकास अनुमति देने के क्या मायने..? इससे तो लगता है कि प्रशासन नियम से नहीं बल्कि नियत पर चलायमान है। गीता मैरिज प्लेस के पास तिवारी कालोनी में रहने वाले चतुर्वेदी जी डूब क्षेत्र में नमामि गार्डन बनने से पानी की निकासी प्रभावित होन पर उनके घर में बरसाती पानी बेग वाटर बनकर घुस रहा यह पीढ़ा उनके अकेले की नहीं पूरी कालोनी प्रभावित हो रही ऐसे में अब उसके बाजू में पहले मिट्टी भराव फिर उसे सड़क स्तर पर आवासीय और व्यवसायिक ले-आउट विकास अनुज्ञा देना यानी उसकी कालोनी में अब दो फुट पानी की बजाय चार फुट पानी भराव का अंदेशा..?

प्रशासन की नाराजी..

मीडिया कर्मी से नाराज़ प्रशासन से बड़ा कहलाने वाले अखबार को मेला लगाने की अनुमति नहीं मिल रही, सिटी मजिस्ट्रेट के पास मामला लंबित है। गुप्ता ग्राउंड सहित एस एन जी स्टेडियम पर अखबार वाले मेला लगवाकर उसके जरिए मोटी कमाई करते और प्रशासन पर आंख तरेरते है बस इस बात से ख़फ़ा प्रशासन ने इस बार मेला लगाने की अनुमति नहीं देकर ताकत तो दिखा दी जबकि लाखों की एक मोटी राशि मेला लगाने के ऐवज में अखबार ने बतौर ग्राउंड किराए देने की बात रखी थी।

फ़ाड राजनैतिक, जमानती वारंट जारी...

खंडवा निवासी गौरव शर्मा इन दिनों नगर में ऐसे किसी मजबूत राजनैतिक को ढूंढ रहे हैं जो उनकी दी गई 42 लाख की राशि उस राजनैतिक ठग से वसूल करवा दे जिसने उसे यह राशि डबल कर देगा कहकर ऐंठ ली यह वही राजनैतिक ठग है जिसने सराफा ई को 70, 80 लाख का चूना लगाया है। राजनैतिक इस ठग ने वैशाली इंटरप्राइजेज को भी 35 हजार का चैक देकर चूना लगाया जो एसी लेकर भुगतान चैक से तो कर गया लेकिन उसके एकाउंट में पैसा नहीं... वैसे रोहना निवासी राजनीतिक ठग पर 138 का मामला दर्ज है और जमानती वारंट भी..

और अंत में अब चलते चलते..

नजूल पखवाड़े में टाईम लिमिट में काम होना है.. !

इधर नजूल में 88 से प्रकरण लंबित है..!

नजूल कार्यालय में 17 जनवरी 2020 को आखरी बार एडवोकेट सुशील गोयल की उपस्थिति में राजस्व प्रकरण क्रमांक 41 अ 20-1-1988- 89 और 121 अ-6 1998-99 आखरी बार हुई सुनवाई का निराकरण आज दिनांक तक नहीं हो पाया ना मामला खारिज हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रशासन हर हफ्ते टीएल (टाईम लिमिट) की बैठक रखकर क्या करता होगा। फिर राजस्व के मसले समयावधि में निपटाने की मुख्यमंत्री जी के निर्देशों का मुख्यालय पर हालात क्या होगी..?

नववर्ष का स्वागत

एम्स भोपाल ने रोगी एवं उनके परिजनों के बीच कंबल वितरण कर पेश की मानवीय सेवा की मिसाल

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, संस्थान ने नववर्ष का स्वागत मानवता और सेवा के संदेश के साथ किया। 31 दिसंबर 2024 की संध्या पर प्रो. सिंह के नेतृत्व में सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए रात्रि विश्राम गृह में ठहरे रोगी एवं उनके परिजनों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। इसके अलावा एम्स के विभिन्न खुले स्थानों पर अलाव की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहाः 'नए साल के आगमन पर जब सभी लोग जश्न मना रहे हैं, एम्स भोपाल अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए रोगी एवं उनके परिजनों की सहायता कर रहा है।

यह कंबल वितरण पहल ठंड से बचाव और सामुदायिक सेवा की दिशा में हमारा छोटा सा प्रयास है।' उन्होंने समाजसेवियों और गैर-सरकारी संगठनों का आभार प्रकट किया, जिन्होंने भोपाल शहर और एम्स भोपाल के रात्रि विश्राम गृहों में जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, ऊनी वस्त्र, और कंबल वितरित करने में सहयोग किया। इस कार्यक्रम में एम्स भोपाल के रात्रि विश्राम गृह के अटेंडेंट्स, विभिन्न फैकल्टी सदस्य, अधिकारी, और कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने इस पहल को एक मानवीय कदम बताया और एम्स भोपाल की रोगियों, उनके परिजनों, और आम नागरिकों के प्रति सेवा और समर्पण की सराहना की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को दी अंग्रेजी नव वर्ष की शुभकामनाएं

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने प्रदेशवासियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को अंग्रेजी नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि अंग्रेजी नव वर्ष 2025 समाज के सभी वर्गों की आशाओं, आकांक्षाओं की पूर्ति का साल बने, ईश्वर से यही प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। आने वाले समय में भाजपा सरकार प्रदेश में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग की खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए कई नवाचार किए है। जिनका आने वाले वर्ष में बेहतर परिणाम जनता के सामने होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक तरफ जहां प्रदेश में विदेशी निवेश तथा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के प्रयास कर रहे हैं, वहीं उन्होंने हजारों सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने की बात भी कही है। निश्चित रूप से आने वाला साल प्रदेश के युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करेगा। मध्यप्रदेश का भाजपा संगठन पर्व में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है।

किसान की बंधक जमीन ओने-पौने दाम में बेची, संयुक्त पंजीयक सहित पांच को कारावास

भोपाल। पद का दुरुपयोग कर कृषक की बंधक भूमि को धोखाधड़ी से ओने पौने दाम में बेचने के मामले में राजधानी की विशेष न्यायालय ने सहकारिता विभाग के संयुक्त पंजीयक अशोक कुमार मिश्रा, बैंक अधिकारी सहित पांच लोगो को तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थ दंड भी किया है।

जनसंपर्क अधिकारी मनोज त्रिपाठी ने बताया कि साल के अन्तिम दिन विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह, ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक विक्रय अधिकारी हरिहर प्रसाद मिश्रा, सुरेश कुमार ममतानी, संयुक्त पंजीयक अशोक कुमार मिश्रा, सहकारिता निरीक्षक ए.पी.एस. कुशवाहा, नदीम खान को धारा 420, 467, 471 सहपठित धारा 120-बी भादवि 13-1(डी) सहपठित 13(2) पीसी एक्ट में दोष सिद्ध पाते हुये भादवि में 03-03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 8-8 हजार का अर्थ दंड लगाया है। धारा 467,

घटना का संक्षिप्त विवरण के अनुसार ग्राम जमोनिया छीर तहसील हुजूर जिला भोपाल के कृषक हीरालाल की लगभग 7.30 एकड भूमि जिसकी कीमत लगभग 23 लाख 64 हजार रूपये थी जिसको आरोपीगण द्वारा षडयंत्र पूर्वक दिनांक 19.04.2007 को नीलाम कर दिया था। उक्त भूमि जो कि मात्र 50 हजार रूपये मे नीलाम कर दी गई थी। कृषक हीरालाल ने मोटर एवं पम्प के लिये वर्ष 1995 मे ऋण लिया था। वर्ष 2000 से 2007 के मध्य कृषि भूमि की नीलामी कार्यवाही का सिलसिला कई वर्षो से चल रहा था तथा ऋणी कृषक को मात्र 2700 रूपये का भुगतान करना शेष रह गया था। किन्तु अधिकारियो द्वारा कृषक को बताये बिना एवं विधिवत सूचना ना देकर बंधक भूमि को ऋण राशि न अदा करने पर उनकी भूमि बाजार मूल्य एवं कलेक्टर द्वारा निर्धारित मूल्य से अत्याधिक कम मूल्यो पर अवैधानिक रूप से नियम के विरूद्ध नीलामी कार्यवाही कर धोखाधाड़ी कर अपने पद का दुरूप्रयोग किया और नीलामी संबंधित नोटशीट के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पुष्टि हेतु संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थााऐ भोपाल को भेजा गया। जहां उनके द्वारा अवैधानिक रूप से नीलामी की पुष्टि आदेश पारित किया गया। उक्त लिखित सूचना के आधार पर लोकायुक्त पुलिस द्वारा जॉच कर अपराध पंजीबद्ध किया गया विवेचना उपरान्त अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोजन साक्ष्य , दस्तोवजों, लिखित तर्को से सहमत होते हुये आरोपीगण उक्त धाराओं से दण्डित किया गया।

बीएसएनएल के सीएमडी श्री ए. रॉबर्ट जे. रवि ने मध्य प्रदेश में भविष्य की संचार तकनीकों का निरीक्षण किया

गुना। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, श्री ए. रॉबर्ट जे. रवि ने मध्य प्रदेश के भोपाल और गुना जिलों की यात्रा के दौरान संचार सेवाओं की व्यापक समीक्षा की। उनकी यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने, नवाचार और सेवा गुणवत्ता में सुधार के प्रति बीएसएनएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भोपाल मेंश्री रवि ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ बीएसएनएल अधिकारियों और जिला प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में मोबाइल सेवाओं, फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) कनेक्शनों, ट्रांसमिशन नेटवर्क और वित्तीय स्थिति की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने सेवा वितरण और ग्राहक संतुष्टि में सुधार करने पर जोर दिया, ताकि टेलीकॉम क्षेत्र में बीएसएनएल की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके।

उन्होंने कर्मचारियों को पूर्ण मनोयोग से योगदान देने के लिए प्रेरित किया और राजस्व बढ़ाने और बीएसएनएल की पूर्व प्रतिष्ठा बहाल करने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

तकनीकी निरीक्षण

भोपाल के सिटी एक्सचेंज में, श्री रवि ने प्रमुख तकनीकी बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया, जिसमें डीएनएस सर्वर, अमेज़न कैश सर्वर, और ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ओटीएन) उपकरण शामिल थे

- डीएनएस सर्वरस्इंटरनेट की सुरक्षा, गोपनीयता, और गति बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को सहज ब्राउज़िंग अनुभव मिलता है।

गरीबों को घर और लखपति दीदी बनाने का है लक्ष्यः शिवराज

चेन्नई। भारत के कृषि मंत्री शिवराजसह चौहान कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को दो टारगेट दिए हैं , एक ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों के लिए दो करोड़ मकान बनाए जाने हैं और दूसरा टारगेट 3 करोड़ लखपति दीदी बनानी है ।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है तमिलनाडु में भी लखपति दीदी का कार्यक्रम चल रहा है और लगभग 10 लाख दीदियां लखपति बन चुकी हैं, लखपति दीदी का मतलब है साल में एक लाख रुपए से ज्यादा एक बहन कमाए उसकी आमदनी होनी चाहिए इनकम होनी चाहिए उस अभियान में हम लगे हैं ।

आज मैंने सारी योजनाओं का रिव्यू करके तमिलनाडु सरकार के सभी साथियों को कहा है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम तमिलनाडु को हर संभव योजनाओं के अंतर्गत सहयोग करेंगे और अपेक्षा ये है कि तमिलनाडु की सरकार भी इन सारी योजनाओं को तेज गति से पूरा करके अपनी जनता की बेहतर सेवा करे ।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 12 सौ चाकूबाज धराए

भोपाल। नववर्ष से पहले पुलिस की बड़ी कार्यवाही, लगभग 1200 चाकूबाज/ गुंडे बदमाशों की जांच, 120 पर कार्रवाई, 81 व्यक्ति अधिक नशे में वाहन चलाते पकड़े गए। 338 शराबियों के विरुद्ध सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के कारण कार्रवाई की गई। भोपाल पुलिस ने नववर्ष से पहले शहर की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान करीब 1300 संदिग्ध बदमाशों की जांच की गई, जिनमें से 963 के खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई की गई। वहीं, 81 लोग शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गए तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के कारण हुड़दंग करने वाले 338 शराबियों पर प्रभावी कार्यवाही की गई। पुलिस कार्यवाही का उद्देश्य त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना और अपराध पर अंकुश लगाना था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये कार्यवाहिया नियमित रूप से जारी रहेंगी ।

भोपाल मंडल में ट्रेनों के ठहराव में वृद्धि आज से लागू

भोपाल। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और बेहतर सेवाओं के उद्देश्य से भोपाल मंडल से गुजरने वाली कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव में वृद्धि का निर्णय लिया है। 01 जनवरी, 2025 से मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव को 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया जा रहा है। यह निर्णय यात्रियों को बेहतर सुविधा और यात्रा के दौरान सुगमता प्रदान करने के लिए लिया गया है।

बढ़ाए गए ठहराव की विस्तृत सूची

1. गाड़ी संख्या 14319 इंदौर-बरेली साप्ताहिक एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
2. गाड़ी संख्या 14320 बरेली-इंदौर साप्ताहिक एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
3. गाड़ी संख्या 22468 गांधी नगर कैपिटल- वाराणसी एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
4. गाड़ी संख्या 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
5. गाड़ी संख्या 19306 कामाख्या-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
6. गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर दयोदय एक्सप्रेस का गुना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
7. गाड़ी संख्या 12182 अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस का गुना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।
8. गाड़ी संख्या 12627 बैंगलोर-नयी दिल्ली एक्सप्रेस का भोपाल स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।

यात्रियों से अपील है कि किसी असुविधा से बचने के लिए 01 जनवरी 2025 से लागू नई समय-सारणी की जानकारी संबंधित स्टेशन, रेल मदद नंबर 139 अथवा ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त करें और अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

ओएचई ब्रेकडाउन के चलते रेल यातायात प्रभावित

जबलपुर। जबलपुर मंडल के मदन महल स्टेशन पर दिनांक 30 दिसम्बर 2024 रात्रि में ओएचई ब्रेक डाउन के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। उक्त रेलखंड पर अप एंड डाउन दोनों रेललाइन यातायात प्रभावित रहने के कारण गुजरने वाली कुछ रेलगाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाई जा रही है। जारी 'बुलेटिन 02' पर आधारित रेलगाड़ियों की जानकारी इस प्रकार है।

रेलगाड़ियां जो परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

1) दिनांक 30 दिसम्बर 2024 को चल रही गाड़ी संख्या 11046 धनबाद - श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर दीक्षाभूमि एक्सप्रेस को कटनी से वाया कटनी-बीना-इटारसी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है।

2) दिनांक 30 दिसम्बर 2024 को चल रही गाड़ी संख्या 01154 दानापुर - मनमाड एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को कटनी से वाया कटनी-बीना-इटारसी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है।

3) दिनांक 30 दिसम्बर 2024 को चल रही गाड़ी संख्या 22146 रीवा - भोपाल ट्रेन को कटनी से वाया कटनी-सागर-बीना होकर चलाने का निर्णय लिया गया है।

संकल्प

नीतू तिवारी

लेखिका मनोवैज्ञानिक है

नए साल की शुरुआत नए अंदाज में

मेरे हिसाब से नए साल में सभी लोग यह सोच रहे हैं कि हम नए साल में कुछ बुरी आदतों को छोड़कर सुबह उठकर सैर करने जाएंगे या व्यायाम करेंगे या फिर कुछ बुरी आदतों को छोड़ेंगे, परंतु क्या होता है कि हम सोचते बहुत कुछ हैं पर अमल में नहीं ला पाते। एक साइकोथैरेपिस्ट होने के नाते में यह कहना चाहती हूं कि नए साल में हम खुद से खुद को तैयार करें और यह संकल्प लें कि हम प्रत्येक महीने में कम से कम पांच दिन बुराइयों से मुक्त रहेंगे। ये बुराइयां मात्र नशा, तम्बाकू या अन्य कोई व्यसन की ही नही है, इनमें ज्यादा मोबाइल देखना, सामान्य से अधिक लोगों की बुराइयों पर ध्यान देना, अपने लक्ष्य से हटकर दूसरों के काम में गलतियां निकालते रहना आदि हैं। ये दिन व्यक्ति अपने हिसाब से तय कर सकता है। इसके बाद हम छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें जैसे की हर महीने में कोई एक बुरी आदत छोड़ूंगा। मैं यह कार्य नहीं करूंगा, एक जगह कहीं लिख लें। इसी प्रकार साल में 12 महीने होते हैं हर महीने का एक कार्य निर्धारित कर लें। ऐसा करने से हमें यह पता रहेगा कि अगले महीने हमें किस संकल्प को पूरा करना है और हमारा संकल्प क्या है। खुद से कंपटीशन करें और देखें कि यह कार्य मैंने तब किया था, और उसमें क्या सुधार आया। जैसे कि हमने जनवरी में सोचा कि मेरी परीक्षा है परीक्षा के बाद हमेशा रिफ्रेश होने के लिए हमें उसे स्थान से हट जाना है और सोच लेना है कि जिस दिन परीक्षा खत्म होगी उसके दूसरे दिन में यहां पर जाऊंगा थोड़ा सा रेस्ट करूंगा क्योंकि मैं एग्जास्ट हो गया हूं फिर थोड़ी देर दूसरे स्थान पर जाने से हमारे मन को थोड़ा रिलैक्स महसूस होता है फिर हमें एक तरह की नई ऊर्जा भर जाती है और हम फिर अगले कार्य को अच्छे से संपन्न करने के लिए फिर से तैयार हो जाते तो इस तरह से छोटे-छोटे ब्रेक लेना चाहिए और ब्रेक के बाद जब हम कार्य करते हैं तो हम नहीं ऊर्जा के साथ उस कार्य को और जोश से करने लगते हैं। एक ही माहौल में रहने से हमारा दिमाग कई बार कुंठित हो जाता है और नए कार्य को करने के लिए रिलैक्स नहीं हो पाता है। क्योंकि इस तरह से हम हमेशा रिन्यू होते रहते हैं और हमारे कार्य भी सुचारू रूप से और बहुत ही अच्छी तरीके से कर पाते हैं। अपने छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें और जब हम उस लक्ष्य को पूरे करेंगे और आगे बढ़ेंगे तो साल के अंत में देखेंगे कि हमने बहुत कुछ प्राप्त कर लिया। जब हम एक लक्ष्य प्राप्त कर लें तो तत्काल हमें दूसरे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यों में नहीं लग जाना चाहिए। अपने दिमाग को शांत करना चाहिए चिंतन मनन करना चाहिए और उसके बाद दूसरे लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। इस तरह से हम अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर भी बनाएंगे। साथ में जो हमारे साथ हमारे परिवारजन है वह भी खुश रहेंगे, प्रफुल्लित रहेंगे। आज के वातावरण में मैं देख रही हूं हर व्यक्ति हैरान परेशान है। क्योंकि घर में यदि एक सदस्य भी परेशान होता है तो उसका प्रभाव घर के अन्य सदस्यों पर भी पड़ता है। कभी-कभी देखा भी यह भी गया है कि हमने कोई लक्ष्य निर्धारित किया परंतु वह पूर्ण नहीं हुआ तब भी महीने के अंत में हमें थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए और फिर से चिंतन मनन करना चाहिए कि कहां हम सही थे और कहां गलत थे थोड़ा ठहर जाना चाहिए। जब हम शांति से उसके बारे में सोचते हैं तो हम हमारा मन अपने आप से ही इसका सॉल्यूशन दे देता है। हमेशा भागते ही नहीं रहना चाहिए कुछ देर जब कोई कार्य नहीं होता तो हमें स्थान परिवर्तन कर लेना चाहिए और हमारे साथ जो हमारे सदस्य हैं उनके साथ बैठना चाहिए डिस्कस करना चाहिए। कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि अरे यह तो छोटा है यह क्या बताएगा या यह मेरे कार्य के बारे में क्या जानता होगा। कभी-कभी किसी का छोटा सा सुझाव भी हमारे बड़े से कार्य करने में मददगार साबित हो सकता है। सबकी अपनी-आपनी मानसिक क्षमता है जिसके अनुसार कई बार छोटी सी चीज जो हम कहीं ना कहीं चूकते हैं वह सामने वाला हमें बता देता है और इस तरह से डिस्कशन करने से हमें हमारी समस्याओं का हल प्राप्त हो जाता है।

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी नववर्ष की शुभकामना

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कामना की है कि नव-वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि अच्छा स्वास्थ्य समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से हम 'स्वस्थ प्रदेश, सशक्त प्रदेश' के संकल्प को साकार कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों के उज्ज्वल, स्वस्थ और सुखमय भविष्य की मंगलकामना की है।

नया साल नये आयामों के साथ प्रदेशवासियों के जीवन-पथ को ऊंचाइयों की ओर अग्रसर करे : जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने नए साल 2025 की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली और उन्नति की कामना की है। उन्होंने कहा कि नया वर्ष समतामूलक समावेशी समाज में प्रदेशवासियों के जीवन में सहजता, सरलता, सौम्यता का समावेश कर सफलता, सुदृढ़ता और सकारात्मकता की भावना जागृत हो और नये आयामों के साथ कीर्तिमान स्थापित कर अपने जीवन पथ को ऊंचाईयों की ओर अग्रसर करने में अपने कर्तव्यों का निर्वहन हो।

श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेशवासी अमन-चैन, भाईचारे की भावना के साथ मिलजुल कर रहें। जो लोग अपना सामान्य जीवन जीने अपनी जरूरतों के लिये जद्दोजहद कर रहे हैं, उनकी जरूरतें, उनकी इच्छाएं पूर्ण हो, जो लाचार, वेवश और परेशान है, उन्हें उनकी हर समस्याओं से मुक्ति मिले, ताकि नये साल में उनके जीवन में नया प्रकाशपुंज स्थापित हो सके और सभी विकास पथ पर आगे बढ़ सके, ताकि हर चेहरे पर खुशियां मुस्कुरायें। श्री पटवारी ने प्रदेश के वर्तमान हालातों पर चिंता जाहिर करते हुये कहा कि प्रदेश कर्ज में डूबता जा रहा है, बेलगाम भ्रष्टाचार और अपराध से प्रदेश अराजकता की ओर अपने पैर पसार रहा है। नशीले मादक पदार्थों की तस्करी, उसके सेवन से युवा वर्ग का भविष्य अंधकारमय हो रहा है और वह अपने उद्देष्यों से भटक रहा है, किसानों की दुर्दशा और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाओं से प्रदेश पूरी दुनिया में शर्मसार हो रहा है। प्रदेशवासी इन सब परिस्थितियों से निजात पाने के लिए जन-जागरण अभियान चलाकर जागरूकता पैदा करें, वीणा उठायें, संकल्प ले, दृढ़ इच्छा शक्ति पैदा करें, ताकि प्रदेश में अराजकता का माहौल निर्मित न हो सके।

श्री पटवारी ने कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रदेश की जनता से आग्रह किया कि कांग्रेस पार्टी पूरी जिम्मेदारी के साथ विपक्ष में अपना दायित्व निभा रही है। प्रदेश की जनता के साथ अन्याय, अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जनता को न्याय और उनकी मूलभूत सुविधायें दिलाने कांग्रेस पार्टी कटिबद्ध है। श्री पटवारी ने एक बार पुनः प्रदेशवासियों को नये साल की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये कहा कि हमारा प्रदेश रोग-शोक और अवसाद मुक्त रहे।

'भ्रष्टाचार और लूट', क्या भाजपा सरकार की यही 'डबल इंजन की रफ्तार' है : जीतू पटवारी

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश के परिवहन विभाग पर निशाना साधते हुये कहा कि मध्यप्रदेश की सीमा पर चल रहे भ्रष्टाचार में सरकार की भूमिका अब स्पष्ट हो चुकी है। प्रदेश में चेक पोस्ट तो बंद हैं, लेकिन अवैध वसूली पोस्ट जरूर चालू हैं।

श्री पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार, मंत्री उदय प्रताप के परिवहन विभाग से पिछले दो सप्ताह में करोड़ों रूपयों के भ्रष्टाचार, घपलों-घोटालों और गड़बडियों का खुलासा हुआ हैं। कभी 100 करोड़ रूपयों की लाल डायरी तो कभी अवैध वसूली के कारनामें उजागर हो रहे हैं। चेक पोस्ट बंद होने के बावजूद भी सरकार और भ्रष्ट नौकरशाही की मिलीभगत से चार पहिया, आठ पहिया वाहनों सहित बड़े वाहनों के वसूली पोस्ट से गुजरने के दौरान अवैध वसूली की जा रही है। इतना ही नहीं हर ट्रक से 500 रू. से 1000 रूपये तक की अवैध वसूली की जा रही हैं। यदि वाहन चालकों द्वारा वसूली का विरोध किया जाता है तो पोस्ट पर तैनात गुंड़ों द्वारा मारपीट, जबरदस्ती कर वसूली की जाती है। जब बात अधिकारियों तक जाती है तो अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि यह वसूली ऊपर से दबाव का परिणाम है। यानि परिवहन विभाग में ट्रकों एवं अन्य वाहनों से अवैध वसूली के लिए ऊपर से दबाव बनाया जाता है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह ऊपर से दबाव बना कौन रहा है? इसकी हकीकत सामने आना चाहिए?

श्री पटवारी ने कहा कि परिवहन विभाग में इतने बड़े स्तर पर हो रही अवैध वसूली को लेकर परिवहन मंत्री की चुप्पी से यह साबित होता है कि यह सब खेल परिवहन मंत्री की गहरी साजिश और उनकी मिलीभगत की ओर ही इशारा करती है। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश की जनता का पैसा खुलेआम लूटा जा रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। क्या भ्रष्टाचार और लूट, भाजपा सरकार की यही 'डबल इंजन की रफ्तार' है? मुख्यमंत्री मोहन यादव को ऐसे भ्रष्ट मंत्री से तत्काल इस्तीफा लेना चाहिए और प्रशासनिक ड्यूटी को कलंकित करने वाले ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को तत्काल सेवा से बर्खास्त करना चाहिए। यदि मुख्यमंत्री जी ऐसा नहीं करते हैं तो परिवहन विभाग में व्याप्त इस तरह की अराजकता के खिलाफ कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतर भ्रष्ट नौकरशाह और भ्रष्ट मंत्री से इसका जबाव लेगी।

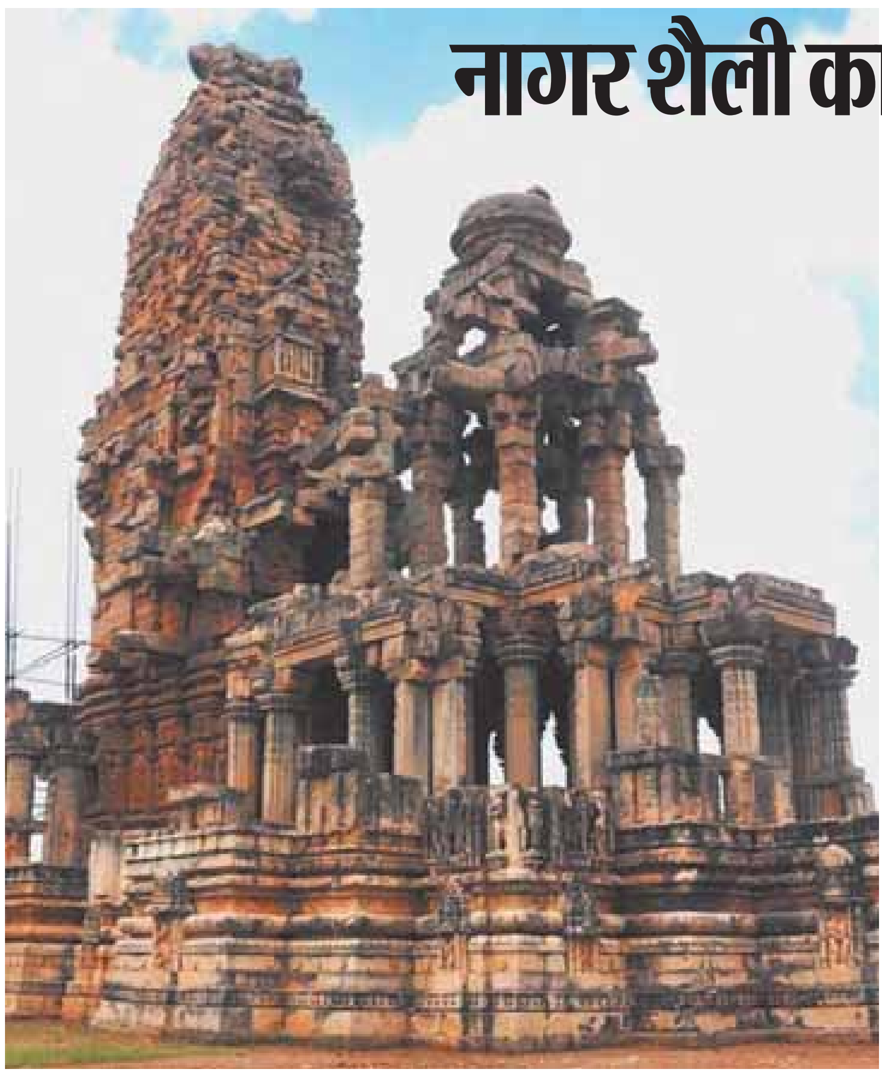

नागर शैली का अद्भुत ककन मठ शिवमंदिर

मंदिर मठ या अन्य पूजा स्थल महज धार्मिक महत्व के स्थल नहीं होते हैं। ये अपने समय के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक व्यवस्था के गवाह होते हैं। अपने में एक इतिहास समेटकर खड़े रहते हैं। उनको समझने वाले लोगों से वे संवाद भी करते हैं। ग्वालियर से करीब 70 किलोमीटर दूर मुरैना जिले के सिहोनिया गांव में स्थित ककन मठ मंदिर इतिहास और वर्तमान के बीच ऐसी ही एक कड़ी है। मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में कछवाह कच्छपघात राजा कीतराज ने कराया था। उनकी रानी का नाम था ककनावती। रानी ककनावती शिवभक्त थीं। उन्होंने राजा के समक्ष एक विशाल शिव मंदिर बनवाने की इच्छा जाहिर की। विशाल परिसर में शिव मंदिर का निर्माण किया गया। चूंकि शिव मंदिर को मठ भी कहा जाता है और रानी ककनावती के कहने पर इस मंदिर का निर्माण कराया गया था इसलिए मंदिर का नाम ककनमठ रखा गया। वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षावद् श्री जयंत तोमर बताते हैं कि सिहोनया कभी सिंह-पानी नगर था। बाद में अपभ्रंश होकर यह हसहोनया हो गया। यह ग्वालियर अंचल का प्राचीन और समृद्ध नगर था। यह नगर कछवाह वंश के राजाओं की राजधानी था। इसकी उन्नति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ग्वालियर अंचल के संग्रहालयों में संरक्षित अवशेष सबसे अधिक सिहोनया से प्राप्त किए गए हैं। श्री तोमर बताते हैं कि तोमर वंश के राजा महिपाल ने ग्वालियर किले पर सहस्त्रबाहू मंदिर का निर्माण कराया था। सहस्त्रबाहू मंदिर के परिसर में लगाए गए शिलालेख में अंकित है कि सिंह-पानी नगर (अब सिहोनया) अद्भुत है। ककनमठ मंदिर की स्थापत्य और वास्तुकला के संबंध में जीवाजी यूनिवर्सिटी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रामअवतार शर्मा बताते हैं कि यह मंदिर उत्तर भारतीय शैली में बना है। उत्तर भारतीय शैली को नागर शैली के नाम से भी जाना जाता है। 8वीं से 11वीं शताब्दी के दौरान मंदिरों का निर्माण नागर शैली में ही किया जाता रहा। ककनमठ मंदिर इस शैली का उत्कृष्ट नमूना है। मंदिर के परिसर में चारों ओर कई अवशेष रखे हैं। ज्यादातर अवशेष मुख्य मंदिर के ही हैं। इतने लम्बे समय के दौरान कई प्राकृतिक झंझावतों का सामना मंदिर ने किया। इनसे उसे काफी क्षति पहुंची। मंदिर का शिखर काफी विशाल था लेकिन समय के साथ वह टूटता रहा। परिसर में अन्य छोटे-छोटे मंदिर समूह भी थे। ये भी समय के साथ नष्ट हो गए। पुरातत्वविद् श्री रामअवतार शर्मा बताते हैं कि खजुराहो में सबसे बड़ा मंदिर अनश्वर कंदारिया महादेव का है। ककनमठ मंदिर समूह इससे भी विशालतम मंदिर था। वर्तमान में परिसर की जो बाउंड्रीवॉल है, यह मंदिर का वास्तविक परिसर नहीं है। मंदिर का परिसर इससे भी काफी विशाल था। बाउंड्रीवॉल के बाहर भी मंदिर समूह के अवशेष मिले हैं। श्री शर्मा बताते हैं कि भूंकप आदि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान शिखर की ओर से गिरने वाली विशाल चट्टानों के कारण मंदिर पर उकेरी गईं प्रतिमाओं को काफी नुकसान पहुंचा है। ककनमठ मंदिर की दीवारों पर शिव-पार्वती, विष्णु और शिव के गणों की प्रतिमाएं बनी हुई हैं। प्रतिमाएं इतने करीने से पत्थर पर उकरी गईं हैं कि सजीव प्रतीत होती हैं। हालांकि ज्यादातर प्रतिमाएं खण्डित हैं। लेकिन, अपने कला वैभव को बखूबी बयां करती दिखाई देती हैं।

पीथमपुर जा रहा यूनियन कार्बाइड का 337 टन जहरीला कचरा

● लोडिंग में जुटे 400 एक्सपर्ट-कर्मचारी, 250 किमी का ग्रीन कॉरीडोर भी बनेगा

भोपाल। भोपाल गैस कांड के 40 साल बाद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के गोदाम में रखे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। रविवार सुबह एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची और कड़े सुरक्षा घेरे में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की प्रोसेस शुरू की। 3 जनवरी से पहले कंटेनर पीथमपुर पहुंचाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में कैंपस के अंदर जाने की मनाही है। कैम्पस के आसपास 100 से से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं, कुल 400 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों की टीम इस काम में जुटी है। गैस कांड के 40 साल बाद रामकी कंपनी के एक्सपर्ट्स की मॉनिटरिंग में ये कचरा 12 कंटेनर ट्रकों में भरा जा रहा है। जहरीले कचरे को कड़ी सुरक्षा के साथ 250 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पीथमपुर भेजा जाएगा। यहां कचरे को रामकी एनवायरो में जलाया जाएगा। बता दें कि हाईकोर्ट ने 6 जनवरी तक इसे हटाने के निर्देश दिए थे। 3 जनवरी को सरकार को हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश करना है। यानी, 2 जनवरी तक हर हाल में कचरा पीथमपुर भेजना ही है। पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट (रामकी) कंपनी इसका निष्पादन करेगी। रामकी एनवायरो में 90 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से कचरे को जलाने में 153 दिन यानी 5 महीने 1 दिन का समय लगेगा। 270 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से नष्ट करते हैं तो इसे खत्म करने में 51 दिन का वक्त लगेगा। हर कंटेनर का एक यूनिक नंबर होगा। ये ट्रक कंटेनर जिस रूट से निकलेंगे उसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी जाएगी। रास्ते पर ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारी भोपाल और इंदौर के संभाग आयुक्तों को सौंपी गई है। ट्रक करोंद मंडी होते हुए पीपुल्स मॉल, करोंद चौराहा, गांधी नगर, मुबारकपुर, सीहोर नाका होते हुए इंदौर जाएंगे। यह रूट इसलिए चुना गया है, क्योंकि रात के समय इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव कम रहता है। जो मजदूर कंटेनर ट्रकों में कचरा भर रहे हैं, उन्हें सेफ्टी के सारे उपकरण और सुविधाएं दी गई हैं। अंदर ही डॉक्टरों की टीम भी तैनात की गई है, जो हर हालात पर नजर रख रही है। कचरा लोडिंग के दौरान अगर किसी की तबीयत बिगड़ती है तो फौरन मौके पर ही उसे दवा और ट्रीटमेंट देने के इंतजाम है।

गाइडलाइन को फॉलो करते हुए भेज रहे कचरा

भोपाल गैस त्रासदी राहत-पुनर्वास के संचालक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, गाइडलाइन को फॉलो करते हुए कचरे को भोपाल से पीथमपुर ले जाया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देश में पूरी प्रोसेस की जा रही है। 3 जनवरी को हाईकोर्ट में शपथ पत्र देना है। इसलिए कचरे को भेजने की प्रक्रिया इससे पहले पूरी कर लेंगे। पीथमपुर में कचरा पहुंचाने के बाद उसे 9 महीने में जलाना है। कचरे को पीथमपुर में जलाने को लेकर कांग्रेस विरोध जता चुकी है। वहीं, गैस पीड़ित संघ भी आंदोलन कर चुके हैं। पीथमपुर में रविवार सुबह से पीथमपुर क्षेत्र रक्षा मंच के नेतृत्व में कचरा जलाने का विरोध किया जा रहा है। राम रामेश्वर मंदिर से महाराणा प्रताप बस स्टैंड तक रैली निकाली गई। जिसमें लोगों ने हाथ पर काली पट्टी बांधकर जमकर नारेबाजी की। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपा। पीथमपुर बचाओ समिति कचरा जलाने के विरोध में हस्ताक्षर अभियान, धरना प्रदर्शन, रैली पहले भी कर चुकी है। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को पीथमपुर के पास स्थित रामकी फैक्ट्री में नष्ट करने की योजना का विरोध इंदौर में भी जोर पकड़ रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शासन स्तर के अधिकारियों से चर्चा करके इस प्रक्रिया पर रोक लगाने और न्यायालय से इस विषय पर पुनर्विचार की अपील की जा सकती है। पीथमपुर की जनता के विचारों और चिंताओं को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। कांग्रेस ने भी पिछले रविवार (22 दिसंबर) को प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में धार जिले के विधायकों के साथ धरना देकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा था। इस दौरान पटवारी ने कहा था कि अगर यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर में जला तो आने वाले समय में सबसे ज्यादा कैंसर के मरीज इसी इलाके में होंगे। पटवारी ने कहा था कि यहां कचरा जलाया जाएगा तो ये जहर पानी में भी मिलेगा। समस्या पीथमपुर के लिए ही नहीं, इदौर के लिए भी पैदा होने वाली है। पीथमपुर का जहरीला पानी यशवंत सागर डैम में मिलेगा। इस डैम से इंदौर में पानी सप्लाई होता है। इसके बाद वहां भी गंभीर बीमारियां फैलेंगी। रामकी कंपनी के कारण आसपास के किसानों की जमीन की पैदावार प्रभावित हुई है। सरकार के पास लैंड बैंक है। जहरीले कचरे के निष्पादन के लिए उसका यूज करना चाहिए।

भोपाल शहर काजी ने मुस्लिम नौजवानों से कहा, न्यू ईयर न मनाएं

नए साल के जश्न को बताया गैर इस्लामिक कल्चर ; कहा-रात में नींद खुले तो दुआ करें

भोपाल। भोपाल शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने न्यू ईयर के जश्न को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मुस्लिम नौजवानों को नव वर्ष का जश्न मनाने से पूरी तरह से परहेज करने की अपील की है। मुस्लिम समाज को नसीहत देते हुए कहा कि रात को नींद खुले या नींद न आए तो घर में ही बैठकर दुआ करें। नाचना गाना हमारा कल्चर नहीं है। शहर काजी की ओर से एक वीडियो जारी किया गया है। इसमें उन्होंने नव वर्ष के जश्न को शिर्क (इस्लामिक तौर पर गलत) बताया है। उन्होंने कहा कि हम खास तौर पर मुस्लिम नौजवानों से अपील है कि होटल में न्यू ईयर पार्टी करना, न्यू ईयर की पार्टी के नाम पर फार्म हाउसों में तेज आवाज में गाने बजाना और शोर शराबा करना मुस्लिम रिवायतों के खिलाफ है। इस तरह के आयोजनों से मुकम्मल तौर पर परहेज करना चाहिए। इधर, पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने बताया कि 50 प्रमुख पॉइंट पर पुलिस के जवान बॉडी कैमरा और ब्रेथ एनालाइजर के साथ तैनात रहेंगे। शहर में कुल 100 चैकिंग पॉइंट पर 700 जवान तैनात रहेंगे। सभी आयोजन स्थलों पर रात 10 बजे तक ही पार्टी की जा सकेगी। बोट क्लब, सैर सपाटा जैसे स्थलों पर रात 10 बजे के बाद भीड़ को एकत्र नहीं होने दिया जाएगा। मंगलवार की शाम 6 बजे से सड़कों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस दौरान वाहनों की चैकिंग की जाएगी। जो रात करीब 2 बजे तक लगातार जारी रहेगी। इसके बाद भी पुलिस की सड़क पर मौजूदगी रहेगी। इस दौरान स्पीड राडार गन, इंटरसेप्टर वाहन भी रफ्तार पर अपनी नजर रखेगा। रात दस बजे के बाद लाउड स्पीकर नहीं बजाए जा सकेंगे। होटल-ढाबे और रेस्टोरेंट भी अपने समय पर ही बंद होंगे।

भोपाल से महाकुंभ जाएगी देश की पहली फायर फाइटिंग बोट

घाटों पर तैनात रहेगी, आग लगने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाएगी

भोपाल। भोपाल से फायर फाइटिंग बोट महाकुंभ-2025 के लिए प्रयागराज रवाना हो रही है। यह देश की पहली फायर फाइटिंग बोट है, जिसका निर्माण भी भोपाल में हुआ है। यह बोट महाकुंभ के दौरान घाटों पर तैनात रहेगी और आग लगने की आपात कालीन स्थिति में रेस्क्यू का काम करेगी। यूपी फायर सर्विस की तरफ से टेंडर जारी कर भोपाल के पीएस ट्रेडर्स को इस बोट के निर्माण का काम सौंपा था। इस बोट को खासतौर पर कुंभ मेले के लिए ही तैयार किया गया है। बोट की जांच और टेस्टिंग के लिए उत्तर प्रदेश फायर सर्विस से टीम भी आई है। साथ ही SDRF को भी टेस्टिंग की प्रक्रिया में सहयोग के लिए तैनात किया गया है। बोट बनाने वाली कंपनी पीएस ट्रेडर्स के ओनर प्रियांश शाह ने बताया कि महाकुंभ में ज्यादा भीड़भाड़ को देखते हुए बोट का निर्माण किया गया है। भीड़ के चलते कई इलाकों में आपात स्थितियों में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं पहुंच पाती। इस स्थिति से निपटने के लिए फायर फाइटिंग बोटों को अलग-अलग घाटों में तैनात किया जाएगा। किसी भी आपात काल की स्थिति में यह बोट तुरंत सहायता प्रदान करने पहुंचेगी और आग पर काबू पाकर फंसे लोगों का रेस्क्यू करेगी। भोपाल से मंगलवार को टेस्टिंग प्रक्रिया

पूरी होने के बाद पहली बोट को प्रयागराज के लिए रवाना कर दिया जाएगा। इसके बाद अगले 8 से 10 दिनों के अंदर पांच और बोटों को प्रयागराज भेजा जाएगा। इस बोट में एक समय पर क्रू के अलावा 10 लोगों की बैठने की व्यवस्था है। इस बोट में लगी मोटर डीजल से ऑपरेट होती है। साथ ही इसमें पेट्रोल टैंक भी है।

एमपी में शिक्षक भर्ती में अतिथि शिक्षकों को 50 फीसदी आरक्षण

200 दिन सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले पात्र, 10 हजार पदों पर होगी भर्ती

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षकों की भर्ती में अतिथि शिक्षकों को अब 50त्न आरक्षण मिलेगा। इसके लिए वहीं अतिथि शिक्षक पात्र होंगे, जिन्होंने 3 शैक्षणिक सत्रों में 200 दिन सरकारी स्कूलों में पढ़ाया हो। इसका लाभ अतिथि शिक्षकों को हाल ही में होने वाली शिक्षकों की भर्ती में मिलेगा। राज्य कर्मचारी चयन मंडल ने 10 हजार शिक्षकों की भर्ती का कार्यक्रम घोषित किया है। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) 2018 में संशोधन कर दिया है। इसका गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। प्रदेश में 72 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। जिन्हें अब तक शिक्षकों की भर्ती में स्कोर कार्ड के हिसाब से 5 से 20 अंक का लाभ दिया जाता था। सरकार ने पहली बार अतिथि शिक्षकों को शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण का लाभ दिया है, लेकिन आरक्षित पदों की पूर्ति अतिथि शिक्षकों से न होने की स्थिति में रिक्त पदों को अन्य पात्र अभ्यर्थियों से भरा जाएगा। वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए रिक्त पदों के प्रत्येक प्रवर्ग के लिए 50% पद आरक्षित होंगे। जबकि 6% पद दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित किए गए हैं। प्रदेश में शिक्षकों के अभी 80 हजार पद खाली हैं। ये सेवा शर्तें आरक्षित वर्ग (अनुसूचितजाति, जनजाति, ओबीसी के लिए आरक्षित) पदों पर भी लागू होंगी। बशर्तें अभ्यर्थी उसी वर्ग का होना चाहिए। इस नोटिफिकेशन के जरिए सरकार ने शिक्षकों के लिए चयन परीक्षा कराने का प्रावधान जोड़ा है। अभी तक पात्रता परीक्षा कराई जाती थी, उसे ही चयन परीक्षा के रूप में मान्यता दी गई थी, पर अब ऐसा नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग पात्रता परीक्षा कभी भी करा सकेगा, उसके लिए पद खाली होने की जरूरत भी नहीं है। यह परीक्षा हमेशा के लिए मान्य होगी। हालांकि चयन के लिए चयन परीक्षा अलग से कराई जाएगी। मध्यप्रदेश में साल 2025 में सरकारी नौकरियों में बंपर भर्ती होगी। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) 15 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती करेगा। मंडल ने 15 परीक्षाओं का कैलेंडर भी जारी किया है। ईएसबी ने जिन पदों के लिए कैलेंडर जारी किया है, उनमें स्कूल शिक्षक, आईटीआई, वन, पुलिस, जेल, महिला-बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। फरवरी से भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जो दिसंबर तक चलेगी। कुछ विभागों में भरे जाने वाले पदों की संख्या अभी तय नहीं हुई है।